मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 7 अंक 253
गुरुवार, 03 अप्रैल 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

वक्फ बिल किसी की संपत्ति छीनने का कानून नहीं: किरेन रिजिजू

लोकसभा में बोले जहां नमाज पढ़ी जाती है, वहां कोई दखल नहीं

नई दिल्ली, 02 अप्रैल। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने लोकसभा में वक्फ विधेयक को चर्चा और पारित कराने के लिए रखते हुए कहा कि सरकार, संसद की संयुक्त समिति को वक्फ विधेयक पर हितधारकों, विशेषज्ञों से कई ज्ञापन और सुझाव मिले। उन्होंने कहा कि इस संसद भवन पर भी वक्फ का दावा किया जा रहा था, संप्रग सरकार ने तो काफी संपत्ति गैर-अधिसूचित करके दिल्ली वक्फ बोर्ड को दे दी। रीजीजू ने लोकसभा में विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि आपने उन मुद्दों पर लोगों को गुमराह करने की कोशिश की जो वक्फ विधेयक का हिस्सा नहीं हैं।

किरेन रिजिजू ने कहा कि संप्रग सरकार ने वक्फ कानून में बदलावों के जरिये इसे अन्य कानूनों से ऊपर कर दिया था, इसलिए नये संशोधनों की आवश्यकता पड़ी। विपक्ष के शोरगुल के बीच रीजीजू ने साफ तौर पर कहा कि सरकार किसी भी धार्मिक संस्था में हस्तक्षेप नहीं करने जा रही। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि जहां नमाज पढ़ी जाती है, वहां कोई दखल नहीं। अपने संबोधन की शुरूआत में कहा कि किसी की बात कोई बुरा-गुमा ना समझेगा। जमीन का दर्द कभी आसमान नहीं समझेगा। उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद ही नहीं, बल्कि पूरा यकीन है कि जो लोग इस बिल का विरोध कर रहे हैं, उनके दिल में भी बदलाव आएगा। सभी लोग सकारात्मक सोच के साथ इस बिल का समर्थन करेंगे।

केद्रीय मंत्री ने कहा कि दिल्ली में 1970 से चल रहा एक मामला सीजीओ कॉम्प्लेक्स और संसद भवन सहित कई संपत्तियों से जुड़ा हुआ था। दिल्ली वक्फ बोर्ड ने इन पर वक्फ संपत्ति होने का दावा किया था। मामला अदालत में था, लेकिन उस समय यूपीए सरकार ने 123 संपत्तियों को डीनोटिफाई करके वक्फ बोर्ड को सौंप दिया था। अगर हमने आज यह संशोधन नहीं किया होता, तो हम जिस संसद भवन में बैठे हैं, उस पर भी वक्फ संपत्ति होने का दावा किया जा सकता था। अगर पीएम मोदी सरकार सत्ता में नहीं आती, तो कई संपत्तियां डीनोटिफाई हो जातीं।

उन्होंने कहा कि 2013 में, 2014 के लोकसभा चुनाव से ठीक पहले, कुछ ऐसे कदम उठाए गए जो आपके मन में सवाल खड़े करेंगे। 2013 में, सिखों, हिंदुओं, पारसियों और अन्य लोगों को वक्फ बनाने की अनुमति देने के लिए अधिनियम में बदलाव किया गया। सभी जानते हैं कि वक्फ मुसलमानों के लिए अल्लाह के नाम पर वक्फ बनाने के लिए है। यह बदलाव 2013 में कांग्रेस ने किया था।

कांग्रेस ने बोर्ड को खास बनाया, शिया बोर्ड में सिर्फ.शिया। एक धारा जोड़ी गई कि वक्फ का प्रभाव हर दूसरे कानून पर हावी होगा। यह धारा कैसे स्वीकार्य हो सकती है? उन्होंने कहा कि वक्फ बोर्ड की भूमिका मुतवल्लियों और वक्फ मामलों को संभालने वालों द्वारा वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन की निगरानी करना है।

वक्फ संशोधन विधेयक धार्मिक स्वतंत्रता पर हमला : वाई एस शर्मिला रेड्डी

आंध्र प्रदेश, 02 अप्रैल। कांग्रेस की आंध्र प्रदेश इकाई कीप्रमुख वाई एस शर्मिला रेड्डी ने बुधवार को वक्फ संशोधन विधेयक की निंदा करते हुए इसे संविधान के तहत मुसलमानों को दी गई धार्मिक स्वतंत्रता को कमजोर करने का प्रयास बताया। रेड्डी ने वक्फ संशोधन विधेयक को अल्पसंख्यकों को दबाने की साजिश और संवैधानिक मूल्यों का उल्लंघन बताया।

आंध्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) की अध्यक्ष ने दावा किया कि यह विधेयक मुस्लिम भावनाओं को कथित रूप से ठेस पहुंचाने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एजेंडे का हिस्सा है। उन्होंने इसे भारत के लिए काला दिन और धार्मिक रूप से नफरत भड़काने का एक साधन बताया। शर्मिला रेड्डी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, वक्फ संशोधन विधेयक के प्रावधान सरकारी अधिकारियों को वक्फ संपत्तियों और 300 साल पुरानी संपत्तियों के लिए आवश्यक दस्तावेजों की निगरानी करने की अनुमति देते हैं, जो बेहद चिंताजनक है।

यह शर्त कि वक्फ की जमीन प्राप्त करने से पहले व्यक्तियों को पांच साल तक इस्लामी प्रथाओं का पालन करना होगा, अस्वीकार्य है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि यह विधेयक न केवल मुसलमानों की धार्मिक भावनाओं का अनादर करता है, बल्कि सरकार को वक्फ संपत्तियों पर नियंत्रण करने और उन्हें मोदी के सहयोगियों को देने की अनुमति भी देता है। शर्मिला ने तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) और जन सेना द्वारा वक्फ संशोधन विधेयक का समर्थन करने की निंदा करते हुए इसे शर्मनाक करार दिया।

भारतीय नौसेना ने 2500 किग्रा. मादक पदार्थ किया बरामद

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना के अग्रणी युद्धपोत आईएनएस तरकश ने पश्चिमी हिंद महासागर में 2,500 किलोग्राम से अधिक मादक पदार्थ जब्त किया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

नौसेना के प्रवक्ता ने बताया कि आसपास के सभी संदिग्ध जहाजों या नौकाओं से पूछताछ करने के बाद आईएनएस तरकश ने पी8आई समुद्री निगरानी विमान और मुंबई में समुद्री परिचालन केंद्र के साथ मिलकर एक संदिग्ध नौका को रोका और उसमें सवार हो गये।

उन्होंने बताया कि इसके अलावा, जहाज ने संदिग्ध नौका की गतिविधियों पर नजर रखने और क्षेत्र में संभावित रूप से संचालित अन्य जहाजों की पहचान करने के लिए अपने हेलीकॉप्टर को भी भेजा।

अधिकारी ने बताया कि मरीन कमांडो के साथ एक विशेषज्ञ टीम नौका पर सवार हो गयी और गहन तलाशी ली जिसके परिणामस्वरूप कई सीलबंद पैकेट बरामद हुए। उन्होंने बताया कि तलाशी और पूछताछ में पता चला कि जहाज पर विभिन्न कार्गो होल्ड और डिब्बों में 2,500 किलोग्राम से अधिक मादक पदार्थ (जिसमें 2,386 किलोग्राम हशीश और 121 किलोग्राम हेरोइन शामिल है) रखे हुए थे।

सुनीता विलियम्स को भारत रत्न देने की मांग, राज्यसभा में तृणमूल सांसद ने उठाई आवाज

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने बुधवार को भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न देने की मांग की। राज्यसभा में शून्यकाल के दौरान इस मुद्दे को उठाते हुए पार्टी सांसद नदीमुल हक ने कहा कि देश को विलियम्स और बुच विल्मोर की उपलब्धियों पर गर्व है, जो अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर नौ महीने बिताने के बाद मार्च के अंत में पृथ्वी पर लौट आए हैं, सरकार को उन्हें सम्मानित करने पर विचार करना चाहिए। सदन में शून्यकाल के दौरान अपने विचार रखते हुए उन्होंने गुजरात के एक दिवंगत भाजपा नेता के बारे में भी कुछ टिप्पणियां कीं, जिन्हें बाद में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और भाजपा के अन्य सदस्यों द्वारा आपत्ति जताए जाने के बाद अध्यक्ष ने हटा दिया।

सत्र की अध्यक्षता कर रहे उपसभापति हरिवंश ने कहा कि हक के भाषण से अप्रासंगिक अंश हटा दिए जाएंगे। विलियम्स (59) के लिए भारत रत्न की मांग करते हुए हक ने कहा कि भारत में उनकी सफलता का हमेशा जश्न मनाया जाता रहा है।

जब तक बीजेपी जाएगी, पूरा देश बर्बाद हो चुका होगा: महबूबा मुफ्ती

कश्मीर, 02 अप्रैल। वक्फ विधेयक को लेकर संसद में चर्चा के बीच जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने कहा कि वक्फ बिल मुसलमानों को परेशान करने के लिए है। उन्होंने कहा कि वक्फ बिल मुसलमानों को कमजोर करने की चाल है। उन्होंने कहा कि पिछले 10-11 सालों से बीजेपी मुसलमानों के खिलाफ काम कर रही है। यह उसी का हिस्सा है। पहले उन्हें मारा गया, मस्जिदों को नुकसान पहुंचाया गया और दुकानें बंद कर दी गईं। वक्फ बिल लाकर वे हमारी संपत्ति जब्त करना चाहते हैं। मुसलमान क्या करेंगे?

महबूबा मुफ्ती ने कहा कि वे पिछले 10-11 सालों से इसे बर्दाश्त कर रहे हैं, लेकिन मुझे लगता है कि हमारे हिंदू भाइयों को यह समझना चाहिए कि भारत अपनी सद्भावना और गंगा-जमुनी तहजीब के लिए जाना जाता है। उन्होंने कहा कि आज ये सब कचरे में फेंका जा रहा है। आज हमारा देश, जो एक आदर्श राष्ट्र हुआ करता था, म्यांमार की राह पर चल रहा है, जहाँ अल्पसंख्यकों और मुसलमानों को बाहर निकाल दिया जाता है। वे भूल जाते हैं कि कल वे सत्ता में नहीं होंगे। कांग्रेस ने देश को बचाए रखा। जब तक वे (बीजेपी) जाएंगे, तब तक देश बर्बाद हो चुका होगा।

जिस तरह जिया-उल-हक ने देश को निराशा में धकेला, बीजेपी भी ठीक वैसा ही कर रही है।

एआईएमआईएम के राष्ट्रीय प्रवक्ता वारिस पठान ने कहा कि यह विधेयक असंवैधानिक है। यह अनुच्छेद 14, 25 और 26 का पूरी तरह उल्लंघन है। यह विधेयक असंवैधानिक है।

पूंजीगत व्यय के सवाल पर सीतारमण का स्पष्टीकरण अस्पष्ट और पेचीदा : चिदंबरम

नई दिल्ली, 02 अप्रैल। चिदंबरम ने राज्यसभा में सीतारमण द्वारा दिए गए जवाब पर प्रतिक्रिया देते हुए मंगलवार देर शाम एक बयान में यह बात कही। पूर्व वित्त मंत्री ने कहा कि सीतारमण ने एक साधारण प्रश्न का अस्पष्ट और पेचीदा स्पष्टीकरण दिया है कि 2024-25 के बजट में पूंजीगत व्यय के लिए बजट अनुमान क्या था और वर्ष के अंत में अनुमान क्या है।

चिदंबरम ने सवाल किया, कटौती की गई है और मैंने राज्यसभा में पूछा कि कटौती के क्या कारण हैं? वित्त मंत्री को कारण गिनाने चाहिए थे और यह लोगों को तय करना है कि कारण स्वीकार्य हैं या नहीं। लेकिन, इसके बजाए उन्होंने बजट अनुमान और संशोधित अनुमान की तुलना पर ही सवाल उठा दिया है। मुझे आश्चर्य है कि माननीय वित्त मंत्री ने बजट अनुमान और संशोधित अनुमान की तुलना को त्रुटिपूर्ण बताया है। अगर बजट अनुमान और संशोधित अनुमान तुलना के योग्य नहीं हैं, तो बजट दस्तावेजों में एक ही पृष्ठ पर दोनों संख्याओं को साथ-साथ क्यों सूचीबद्ध किया गया है ?कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने पूछा कि वित्त मंत्री राजकोषीय घाटे के बजट अनुमान (बीई) को राजकोषीय घाटे के संशोधित अनुमान (आरई) के साथ क्यों सूचीबद्ध करती हैं? उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य दुनिया को यह दिखाना है कि सरकार ने राजकोषीय घाटे के मूल अनुमान में सुधार किया है। चिदंबरम ने एक बयान में कहा, यही तर्क सभी अनुमानों पर लागू होता है।

जहां तक 2024-25 में पूंजीगत व्यय का सवाल है, तो आंकड़े निर्णायक रूप से साबित करते हैं कि 2024-25 में इसमें कमी (कटौती) की गई थी। इससे पहले, पूंजीगत व्यय में कटौती किए जाने के विपक्ष के दावे को खारिज करते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को राज्यसभा में कहा कि इसमें कोई कमी नहीं की गई है, बल्कि वित्त वर्ष 2025-26 के लिए यह बढ़कर 11.21 लाख करोड़ रुपये हो गया है। वित्त मंत्री सीतारमण राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान पूरक सवालों का जवाब दे रही थीं। उन्होंने कहा कि 2024-25 में पूंजीगत व्यय 11.11 लाख करोड़ रुपये था। वित्त मंत्री ने कहा, वास्तव में, इस वर्ष बजट में... यह बढ़कर 11.21 लाख करोड़ रुपये हो गया है। इसलिए, पूंजीगत व्यय में कोई कटौती नहीं की गई है।

उन्होंने कहा कि पूंजीगत व्यय के लिए 50-वर्षीय ब्याज मुक्त विशेष सहायता योजना के तहत राज्यों को दिए जाने वाले ऋण में भी आनुपातिक वृद्धि हुई है। सीतारमण कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम के एक सवाल का जवाब दे रही थीं।चिदंबरम ने सवाल किया था कि वित्त वर्ष 2025 के लिए संशोधित बजट अनुमान में पूंजीगत व्यय को 11.11 लाख करोड़ रुपये से घटाकर 10,18,429 करोड़ रुपये कर दिया गया।वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि पूंजीगत व्यय के लिए राज्यों को ब्याज मुक्त 50-वर्षीय विशेष सहायता की योजना 2020-21 में शुरू होने के बाद से राज्यों को जारी ऋण में वृद्धि हुई है।

उन्होंने कहा कि 2020-21 के लिए राज्यों को 9,912 करोड़ रुपये की विशेष सहायता मंजूर की गई थी, लेकिन वास्तविक आवंटन 11,830 करोड़ रुपये था।

2024-25 में 1,53,673 करोड़ रुपये मंजूर किए गए और 26 मार्च तक राज्यों को लगभग 1,46,362 करोड़ रुपये जारी किए गए। बाद में चिदंबरम के एक सोशल मीडिया पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए सीतारमण ने कहा कि पूंजीगत व्यय में कटौती के उनके दावे भ्रामक हैं और त्रुटिपूर्ण तुलनाओं पर आधारित हैं।

आयरलैंड के न्यायाधीश जेरार्ड होगन ने उच्चतम न्यायालय का किया दौरा

नई दिल्ली। आयरलैंड की शीर्ष अदालत के न्यायाधीश जेरार्ड होगन ने बुधवार को यहां उच्चतम न्यायालय के परिसर का दौरा किया। इस अवसर पर प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना ने उनका स्वागत किया।

प्रधान न्यायाधीश खन्ना ने न्यायालय कक्ष में वकीलों और पक्षकारों से न्यायमूर्ति होगन का परिचय कराते हुए कहा, मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि आयरलैंड के उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति जेरार्ड होगन, हमारे साथ हैं। इससे पहले, वह अपीलीय न्यायालय में थे और यूरोपीय अपीलीय न्यायालय के महाधिवक्ता भी थे।

न्यायमूर्ति होगन ने जीवन के अधिकार और सुरक्षित बंदरगाह सिद्धांतों पर कई ऐतिहासिक फैसले लिखे हैं। न्यायमूर्ति होगन वर्तमान में प्रधान न्यायाधीश खन्ना के अदालत कक्ष की दर्शक दीर्घा में हैं और कार्यवाही देख रहे हैं। प्रधान न्यायाधीश ने भारतीय और आयरलैंड के संविधानों के बीच समानताओं का उल्लेख किया और कहा कि उनमें राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों के आधार पर संबंध है।

मथुरा-काशी से जुड़ी नई मुहीम का आह्वान

-ललित गर्ग

हिंदू समूहों का दावा है कि मुस्लिम आक्रमणकारियों ने मथुरा में श्रीकृष्ण मंदिर और वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर को नष्ट करके उनके ऊपर मस्जिदें बना दीं। इसीलिये विश्व हिंदू परिषद और साधु-संतों ने 1984 में तीन मंदिरों की बात की थी, जिनमें में अयोध्या में श्रीराम मन्दिर बन चुका है। इसके बाद कई लोगों को लगने लगा था कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ व उसके अन्य सहयोगी संगठन इससे संतुष्ट हो चुके हैं और काशी व मथुरा के विषय को जैसे उन्होंने त्याग दिया है या भूला दिया है। लेकिन ऐसा नहीं है, लोकसभा में वक्फ विधेयक के पेश किए जाने से कुछ ही घंटे पहले संघ के सरकार्यवाह एवं महामंत्री दत्तात्रेय होसबाले ने काशी ज्ञानवापी और मथुरा की श्रीकृष्ण जन्मभूमि से जुड़े आंदोलनों-कार्यक्रमों में संघ के स्वयंसेवकों को न रोकने की बात कह कर एक नई मुहीम के आह्वान का अप्रत्यक्ष रूप से संकेत दे दिया है, जिसके गहरे राजनीतिक निहितार्थ हैं। पिछले कुछ समय से इनको लेकर एक ऊहापोह की स्थिति थी, लेकिन संघ के इस मुद्दे पर छाये धुंधलको को हटाते हुए अपने नये बयान से ऊर्जा का संचार किया है। भले ही इससे राजनीति गमार्ये, लेकिन हिन्दू आस्था को इससे खुशी मिली है।

संघ की कन्नड़ साप्ताहिक पत्रिका विक्रमा को दिए इंटरव्यू में होसबाले ने साफ कर दिया कि उस समय यानी 1984 में विश्व हिंदू परिषद और साधु-संतों ने तीन मंदिरों की बात की थी। इसलिए अगर संघ के स्वयंसेवक इन मंदिरों के लिए काम करना चाहते हैं, तो हम उनको रोकेंगे नहीं। साफ है, इस बयान के बाद इन मथुरा-काशी दोनों स्थलों से जुड़े विवाद और इनके आंदोलनों को एक नई ऊर्जा, इन मन्दिरों के जीर्णोद्धार, स्वतंत्र अस्तित्व हासिल करने में सफलता मिलेगी। इससे एक बार फिर भाजपा की ताकत बढेगी एवं हिन्दुओं को एकजुट करने का वातावरण बनेगा। बिहार में कुछ ही माह बाद विधानसभा चुनाव होने वाले हैं और साल 2027 की शुरूआत में ही उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव होंगे। बिहार एवं उत्तर प्रदेश दोनों ही प्रदेशों में जातिगत गणना और आरक्षण को बड़ा चुनावी मुद्दा बनाने की कोशिशें हो रही हैं। इन दोनों चुनावों में काशी और मथुरा बड़ा मुद्दा बने, तो कोई आश्चर्य नहीं है। दोनों मन्दिर बिहार से सटे उत्तर प्रदेश के दो छोरों पर स्थित हिंदुओं के दो बड़े पवित्र एवं पावन धर्मस्थल हैं। मथुरा में श्रीकृष्ण मंदिर भगवान कृष्ण के जन्मस्थान के रूप में और वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर भगवान शिव के ज्योतिर्लिंग के रूप में हिंदू धर्म में अत्यधिक महत्वपूर्ण आस्था-स्थल हैं, जहाँ लोग मोक्ष प्राप्ति के लिए आते हैं। दोनों मंदिर हिंदू धर्म में महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं और करोड़ो भक्तों को आकर्षित करते हैं, दोनों मंदिर भारतीय संस्कृति और इतिहास का अहम हिस्सा हैं और उनकी धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को दशार्ते हैं।

काशी में विश्वनाथ और मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर का पुनरुद्धार केवल भौतिक संरचनाओं को पुनर्स्थापित करने का प्रयास नहीं है-यह भारत के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक सार को पुनर्जीवित करने एवं आहत हिन्दू आस्था पर मरहम लगाने का आह्वान है। सनातन धर्म की शाश्वत विरासत के प्रतीक ये मंदिर आक्रमणकारियों के सदियों के हमलों के बावजूद हिंदुओं की दृढ़ता और भक्ति के प्रमाण हैं। इन पवित्र स्थलों को पुनः प्राप्त करना हमारे पूर्वजों के बलिदान का सम्मान करने, हमारी विरासत को संरक्षित करने और हमारी समृद्ध परंपराओं को आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाने का कार्य है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हिंदू मंदिरों के बारे में सच्चाई सबके सामने है, लेकिन ये मामले अनसुलझे हैं। ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व के ये स्थल लंबी अदालती लड़ाई के बावजूद अभी भी न्याय का इंतजार कर रहे हैं।

दत्तात्रेय होसबले का यह साक्षात्कार महत्वपूर्ण होने के साथ दूरगामी सोच से जुड़ा है। हालांकि, होसबले ने अपने इसी इंटरव्यू में देश की सभी मस्जिदों को मुद्दा बनाने की प्रवृत्ति को सामाजिक ताने-बाने के लिए नुकसानदेह बताकर संतुलन साधने की कोशिश की है। इससे पहले संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा था कि हर मस्जिद के नीचे शिवलिंग तलाशना सही नहीं है। भले ही पिछले साल दिसंबर में मस्जिदों को लेकर उठ रहे विवाद को शांत करने का उन्होंने यह प्रयास किया था। लेकिन काशी और मथुरा भी उसमें शामिल रहे हो, ऐसा कैसे सोचा जा सकता है? होसबले ने इस साक्षात्कार में गौ हत्या, लव जिहाद और धर्मांतरण जैसी चिंताओं को स्वीकार किया। उन्होंने अस्पृश्यता यानी छुआछूत को खत्म करने, युवाओं में संस्कृति के संरक्षण और देशी भाषाओं की सुरक्षा जैसे समकालीन मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। भाषा नीति पर होसबाले ने त्रिभाषी दृष्टिकोण का समर्थन किया और इसे 95 प्रतिशत भाषाई विवादों का समाधान बताया। उन्होंने भारतीय भाषाओं के संरक्षण और उनमें शिक्षित लोगों के लिए आर्थिक अवसर सुनिश्चित करने के महत्व पर जोर दिया।

होसबोले ने कहा कि लोगों को यह समझना चाहिए कि वैश्विक भूराजनीति में महत्वपूर्ण बदलाव हुए हैं। यदि भारत में हिंदू समाज मजबूत और संगठित नहीं है, तो केवल ह्यअखंड भारतह्न के बारे में बोलने से परिणाम नहीं मिलेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि अतीत की खोज में लगे रहने से समाज अन्य महत्वपूर्ण सामाजिक परिवर्तनों पर अपना ध्यान केंद्रित नहीं कर पाएगा, जैसे अस्पृश्यता को समाप्त करना, युवाओं में मूल्यों का संचार करना तथा संस्कृति और भाषाओं को संरक्षित करना। निश्चित ही होसबले के बोल से जहां हिन्दू धर्म एवं संस्कृति की रक्षा को बल मिला है, वहीं राष्ट्रीयता भी मजबूत होती हुई दिख रही है। संघ की स्थापना भी इसी उद्देश्य एवं राष्ट्रवादी आंदोलन को एक मजबूत सांस्कृतिक आधार देने के लिए की गई थी। हमारी सदियों पुरानी प्राचीन सभ्यताएं जो धर्म, अहिंसा और भक्ति के सिद्धांतों पर आधारित थी उपनिवेशवाद के शोर में अपनी आवाज खो न जाये, हिन्दू समाज पर रह-रह हो रहे हमले रूके, हिन्दू एवं सनातन संस्कृति को सलक्ष्य कुचलने के प्रयास विराम पाये-इन जटिल स्थितियों में भारत के लोगों को एक सांस्कृतिक छत्र के नीचे एकजुट करने की दृष्टि से होसबले ने जगाया है, चेताया है, संगठित होने का आह्वान किया है। निश्चित तौर पर इन दोनों मन्दिर मुद्दों को नए सिरे से हवा देने की इस कवायद ने संघ विरोधियों एवं मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति करने वालों के सामने एक नई गंभीर चुनौती पेश की है। खासकर यह देखते हुए कि अयोध्या की रणनीतिक सफलता ने हिंदुत्व की राजनीति का आधार मजबूत किया है, हिन्दुओं को संगठित किया है।

मंदिर-मस्जिद विवाद के बीच संघ की तरफ से पहले भी कई बयान आते रहे हैं। ये बयान दशार्ते हैं कि संघ भले ही सीधे-सीधे विवाद से खुद को भले ही अलग रखता हो, वैचारिक रूप से वह इनको पूरा समर्थन देता है। संघ का समर्थन देश को अराजक बनाने का कभी नहीं रहा, उसके सामने बड़ा लक्ष्य देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का भी है। बांग्लादेश समेत कई पड़ोसी देशों में भारत-विरोधी शक्तियां नए सिरे से सक्रिय होने लगी हैं, उनसे लड़ने की ताकत एवं रणनीति भी संघ चाहता है। संघ सामंजस्यपूर्ण और संगठित भारत के आदर्श को आकार देने के लिये प्रतिबद्ध है। श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति जैसे आंदोलनों ने भारत के सभी वर्गों और क्षेत्रों को सांस्कृतिक रूप से संगठित किया। राष्ट्रीय सुरक्षा से लेकर सीमा सुरक्षा, शासन में सहभागिता से लेकर ग्रामीण विकास तक, राष्ट्रीय जीवन का कोई भी पहलू संघ के स्वयंसेवकों से अछूता नहीं है। सौ वर्षों की संघ यात्रा हिन्दू एकता, विश्व शांति व समृद्धि के साथ सामंजस्यपूर्ण और एकजुट भारत के भविष्य के संकल्प के साथ-साथ काशी-मथुरा के मुद्दे से भी जुड़ी है। हिंदुओं को बचाने और उन्हें सम्मान और गरिमा के साथ देश सेवा में तत्पर करने के लिये उनकी आस्था एवं अस्तित्व पर लगे घावों को तो भरना ही होगा।

बिहार चुनाव तो नीतीशकुमार के नेतृत्व में लड़ा जायेगा पर आगे क्या होगा ?

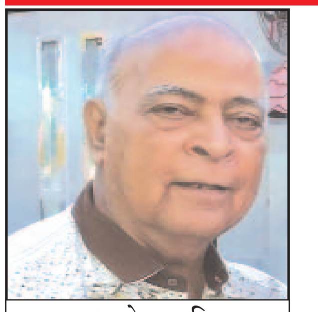
अशोक भाटिया

अमित शाह ने अपने बिहार के दौरे में एक बात तो स्पष्ट कर दी कि चुनाव नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ा जाएगा। पर यह बात कि चुनाव जीतने के बाद सीएम भी उन्हें ही बनाया जाएगा इस पर प्रकाश नहीं डाला। हालांकि पटना के बापू सभागार में सहकारिता विभाग के एक कार्यक्रम मे गृहमंत्री ने कहा कि 2025 में बिहार में मोदी जी और नीतीश जी के नेतृत्व में बिहार में एक बार फिर से एनडीए की सरकार बनाइये और भारत सरकार को बिहार के विकास का एक और मौका दीजिए। शाह ने यह भी कहा कि बिहार को बदलने में नीतीश कुमार की अहम भूमिका रही है। शाह की इन बातों की सीधा अर्थ है कि नीतीश को किनारे लगाने के बारे में नहीं सोचा जा रहा है। दूसरे शब्दों में नीतीश के नाम पर कोई विवाद नहीं है। पर मोदी जी और नीतीश जी दोनों का नाम लेने और दूसरे खुलकर यह न कहने कि चुनाव जीतने पर नीतीश कुमार के नेतृत्व में सरकार बनेगी, लोगों में संदेह बरकरार रह गया। हालांकि मोदी का नाम पीएम होने के नाते लेने का कोई दूसरा अर्थ नहीं लगाना चाहिए। पर राजनीति संभावनाओं का खेल है इसलिए हर बात के कई अर्थ निकाले जाते हैं। वैसे बिहार प्रभारी विनोद तावड़े, बिहार के दो उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल और पार्टी विधायकों और सांसदों की बैठक में अमित शाह ने घोषणा की कि चुनाव काल में नीतीश कुमार एनडीए के कप्तान होंगे।

जनता दल (यूनाइटेड) के प्रमुख नीतीश कुमार पिछले 20 सालों से राज्य के मुख्यमंत्री हैं और भाजपा और लोक जनशक्ति पार्टी चुनाव से पहले उनका 100 फीसदी समर्थन करना मजबूरी रही हैं। भाजपा को बिहार की राजनीति में फिर से नीतीश कुमार का चेहरा आगे करना होगा। राज्य में हुए 2020 के विधानसभा चुनावों में, भाजपा ने वास्तव में जीत हासिल की थी। भाजपा ने 243 सदस्यीय विधानसभा में 110 सीटों पर चुनाव लड़ा था और 74 विधायक चुने थे। जनता दल (यूनाइटेड) ने 115 सीटों पर चुनाव लड़ा और केवल 43 विधायक जीते। महाराष्ट्र की तरह भाजपा पटना में भी मुख्यमंत्री पद के लिए दावा कर सकती थी, लेकिन भाजपा ने उदारता से नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद दे दिया, जिनके पास कम विधायक हैं। इस घटना को पांच साल हो चुके हैं। विधानसभा चुनाव के बाद पहले से ही इस बात को लेकर तर्क दिए जा रहे हैं कि नीतीश कुमार को महाराष्ट्र की तरह एकनाथ शिंदे जैसी भूमिका निभानी होगी या नहीं।

जिस तरह महाराष्ट्र में भाजपा ने पूरे चुनाव के दौरान तत्कालीन मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को नेता बनाए रखा कुछ लगता है उसी तर्ज पर बिहार में चुनाव लड़ने के मूड में है पार्टी। आपको याद होगा महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के प्रचार के दौरान एक बार एक स्टेज पर देवेंद्र फडणवीस और एकनाथ शिंदे एक साथ बैठे हुए थे। पत्रकारों ने फडणवीस से पूछा कि चुनाव परिणाम आने के बाद मुख्यमंत्री कौन बनेगा। तो फडणवीस ने एकनाथ शिंदे की ओर इशारा करके कहा था हमारे मुख्यमंत्री तो यहीं हैं। पर परिणाम आने के बाद ऐसा हुआ नहीं। एकनाथ शिंदे अपना रोना लेकर रोते रहे पर पार्टी को कोई असर नहीं पड़ा। अंत में एकनाथ शिंदे डिप्टी मुख्यमंत्री बनने को तैयार हो गए। आज की तारीख में भाजपा बिहार में शायद इसी रणनीति पर काम कर रही है। चुनाव परिणाम आने के बाद नीतीश कुमार डिप्टी मुख्यमंत्री नहीं बनेंगे, पर हो सकता है कि नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार को डिप्टी मुख्यमंत्री बनाया जाए। पार्टी चाहती है कि चुनाव में सभी लोग एकजुट होकर मेहनत करें। इसमें कोई दो राय नहीं है कि नीतीश की बढ़ती उम्र और उनकी तबीयत की चिंता को भाजपा समझ रही है। भाजपा ये मान कर भी चलती है कि नीतीश की इस स्थिति का फायदा विपक्ष हर हाल में उठाना चाहेगा। ऐसी स्थिति में भाजपा अगर खुलकर नीतीश कुमार को नेता मान लेती है तो इसमें पार्टी का कई तरह से नुकसान हो सकता है। नीतीश के मुख्यमंत्री कैंडिडेट घोषित करते ही भाजपा के समर्थक और कार्यकर्ता निष्क्रिय हो सकते हैं। ऐसी दशा में वे ढीले पड़ सकते हैं। ऐसी स्थिति में जो नीतीश के नेतृत्व से नाराज भाजपा के वोटर हैं वो सीधे-सीधे प्रशांत किशोर की ओर मूव कर सकते हैं। हालांकि भाजपा के लिए यह भी फायदेमंद सौदा ही है। भाजपा ये चाहती है कि एंटी इंकबेंसी वाले वोट किसी भी सूरत में पूरे के पूरे आरजेडी की ओर न जाए। दिल्ली में यही रणनीति आम आदमी पार्टी ने अपनाई थी। इसलिए कांग्रेस के साथ आप ने समझौता नहीं किया। वहां भी यही तर्क था आम आदमी पार्टी से नाराज वोटर्स भाजपा की ओर पूरी तरह न जाएं इसके लिए कांग्रेस के रूप जनता के सामने एक और विकल्प होने से पार्टी को फायदा होगा। ठीक उसी तरह भाजपा बिहार में भी सोच रही है। शायद यही कारण है कि प्रशांत किशोर को लेकर भाजपा परेशान नहीं है।

पिछली बार की तरह, वे बिहार चुनावों में पुराने दल ही एक-दूसरे के राजनीतिक दुश्मन हैं। एक तरफ, भाजपा, जेडी (यू), चिराग पासवान की लोक जनशक्ति और जीतन राम मांझी की एचयूएम और दूसरी तरफ, राष्ट्रीय जनता दल, कांग्रेस और महागठबंधन के छोटे दल होंगे। जाति वोट बैंक और सीट बंटवारा दोनों पक्षों के प्रमुख मुद्दे हैं। यह राजद और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे का एक बड़ा परीक्षण है। इन दोनों चुनावों में, बिहार के मतदाताओं ने भाजपा-जनता दल (यू) को एक बड़ा झुकाव दिया। लोकसभा चुनावों में, एनडीए के सांसद 40 में से 30 से अधिक सीटों पर चुने गए। बाद के उपचुनावों में महागठबंधन में मतभेद और दरार भी देखी गई। लालू यादव ने राजीव रंजन उर्फ पप्पू यादव को पूर्णिमा निर्वाचन क्षेत्र की सीट छोड़ने से इनकार कर दिया। जेएनयू छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष कन्हैया कुमार लगातार विवादों में फंसे हुए हैं। यह सर्वविदित है कि वे भाजपा विरोधी हैं। वह भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (उढक) की छात्र शाखा, अक्अरत्र्रसे उढकमें शामिल हुए, और बेगुलसराय से उढकउम्मीदवार के रूप में 2019 का लोकसभा चुनाव लड़ा लेकिन हार गए। वह 2024 में कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए। कांग्रेस पार्टी ने उन्हें बिहार से मैदान में उतारने का फैसला किया था, लेकिन लालू यादव ने कन्हैया कुमार की उम्मीदवारी का विरोध किया, इसलिए कांग्रेस ने उन्हें उत्तर पूर्वी दिल्ली लोकसभा सीट से मैदान में उतारा। वहां भी उसे हार का सामना करना पड़ा। कन्हैया कुमार ने हाल ही में संपन्न दिल्ली विधानसभा चुनावों में कांग्रेस के लिए बड़े पैमाने पर प्रचार किया, लेकिन 70 सदस्यीय विधानसभा में एक भी सीट नहीं जीत सके। अब कांग्रेस पार्टी ने इस नाकाम कन्हैया कुमार को बिहार विधानसभा में सक्रिय करने का फैसला किया है। कन्हैया कुमार वर्तमान में बिहार में ठरवक के चल रहे 'पालन रोको, नौकरी दो' अभियान में सक्रिय हैं।

कांग्रेस ने बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी की जिम्मेदारी दलित विधायक राजेश कुमार को सौंपी है। महागठबंधन में कोई अन्य नेता नहीं होना चाहिए जो अपने बेटे तेजस्वी यादव को चुनौती दे सके, जो मुख्यमंत्री पद का चेहरा हैं। लालू यादव इस तरह की सावधानी बरतते दिख रहे हैं। बिहार में सवर्ण या सवर्ण मतदाताओं की संख्या नगण्य है। यही कारण है कि दलितों, पिछड़े वर्गों और अल्पसंख्यकों यानी मुस्लिम वोट बैंक में सभी राजनीतिक दलों का बोलबाला है। मुस्लिम मतदाताओं को भाजपा के खिलाफ माना जाता है, फिर भी इस बात को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है कि लोकसभा और विधानसभा चुनावों में भाजपा को कुछ मुस्लिम वोट मिले हैं। नीतीश कुमार पिछड़ी जाति से आते हैं। वे दो दशकों से अधिक समय से मुख्यमंत्री हैं लेकिन उन पर भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लगाया गया है। भारी विरोध के बावजूद, उन्होंने राज्य में शराब पर प्रतिबंध लगा दिया। उन्हें महिलाओं का भरपूर समर्थन मिला। महिला वोट बैंक मजबूती से नीतीश कुमार के साथ खड़ा है।

51 शक्तिपीठों में एकमात्र मां विंध्यवासिनी ही है पूर्णपीठ

-सुरेश गांधी

जी हां, मां विंध्यवासिनी एक ऐसी जागृत शक्तिपीठ है, जिसका अस्तित्व सृष्टि आरंभ होने से पूर्व और प्रलय के बाद भी रहेगा। त्रिकोण यंत्र पर स्थित विंध्याचल निवासिनी देवी लोकहिताय, महालक्ष्मी, महाकाली तथा महासरस्वती का रूप धारण करती हैं। विंध्यवासिनी देवी विंध्य पर्वत पर स्थित मधु तथा कैटभ नामक असुरों का नाश करने वाली भगवती यंत्र की अधिष्ठात्री देवी हैं। कहा जाता है कि इस स्थान पर जो तप करता है, उसे अवश्य सिद्दि प्राप्त होती है। शायद यही वजह है जब देवासुर संग्राम के वक्त देवों पर दानव भारी पड़ने लगे तो देवों के देव महादेव, ब्रह्मा व विष्णु ने भी इस धाम में तप की और मां के आशीर्वाद से विजय हासिल की। विविध संप्रदाय के उपासकों को मनवांछित फल देने वाली मां विंध्यवासिनी देवी अपने अलौकिक प्रकाश के साथ यहां नित्य विराजमान रहती हैं।

वैसे भी मां विन्ध्यवासिनी का मंदिर त्रिकोण पर स्थित है। कहते है यहां मां का प्रादुर्भाव नहीं प्राकट्य होता है, इनका भी प्राकट्य हुआ था। भूमंडल में अद्भूत यह त्रिकोण तीन शक्तियों से जागृत त्रिकोण होता है। सारे जगत में उद्भव, समृति व संहार का प्रतीक है। उसमें एक बिन्दु पर महालक्ष्मी के रुप में विराजमान है तो दुसरे बिन्दु पर महाकाली और तिसरे बिन्दु पर मां सरस्वती अष्टभुजा के नाम से जानी जाती है। इन्हीं तीनों रुपों का लोग दर्शन करते है। भगवती के दर्शन से अर्थ, मोक्ष काम धर्म प्राप्त होता है। यहां ज्ञानी और अज्ञानी दोनों प्रकार के लोग साधनाएं कर भगवती से अपनी क्षमता के अनुसार साधना ग्रहण करते है। मां के मंदिर से 6 किमी की दूर पहाड़ी पर महाकाली, महालक्ष्मी और अष्टभुजा के रुप में भी विराजती है। इसके बाद काली खोह में स्थित मां काली के दर्शन के लिए जाना होता है।

फिरहाल, मां के चमत्कारों की कहानी लंबी है और महिमा अनंत। मां के द्वार पर एक बार जो आ गया, वो फिर कहीं और नहीं जाता। कहते है दरबार में नित्य होने वाली मां के चारों रुपों की आरती का दर्शन कर लेने मात्र से हजार अश्वमेघ यज्ञ के फलों की प्राप्ति होती है। यह दिव्य मनोरम जगह है बाबा भोलेनाथ की नगरी काशी व भगवान विष्णु की नगरी प्रयाग के मध्य पवित्र विन्ध्याचल धाम, जो उत्तर प्रदेश के मिजार्पुर में है। जहां यूपी ही नहीं देश के कोने-कोने से तो श्रद्धालुओं का मां के दर्शन को तो आना होता ही है, चैत व शारदीय नवरात्र के नौ दिनों तक विशाल मेला लगता है। इस मेले में लाख-दो लाख नहीं बल्कि 25 लाख से भी अधिक श्रद्धालु पहुंचते है मां का दर्शन कर मन्नतों की झोली भरकर ले जाते है। मंदिर के प्रधान पुजारी श्रृंगारिया शेखर सरन उपाध्याय कहते है, देश के तमाम स्थानों में शक्तिपीठ है, लेकिन यहां की शक्तिपीठ की महिमा

शास्त्रों में मां विंध्यवासिनी के ऐतिहासिक महात्म्य का अलग-अलग वर्णन मिलता है। शिव पुराण में मां विंध्यवासिनी को सती माना गया है तो श्रीमद्भागवत में नंदजा देवी कहा गया है। मां के अन्य नाम कृष्णानुजा, वनदुर्गा भी शास्त्रों में वर्णित हैं। इस महाशक्तिपीठ में वैदिक तथा वाम मार्ग विधि से पूजन होता है। खास यह है कि मां के 51 शक्ति पीठों में हर जगह मां के कहीं न कहीं अंग गिरे है और उन्हीं अंगों के नाम पर धाम है। या यूं कहे शक्तिपीठों में देवी के अलग-अलग अंगों की प्रतीक रूप में पूजा होती है। लेकिन आदिशक्ति मां का इकलौता धाम विंध्याचल ही ऐसा स्थान है जहां देवी के पूरे विग्रह के दर्शन होते हैं। अर्थात 51 शक्तिपीठों में मां विंध्यवासिनी ही पूर्णपीठ है। कहते है हृदय में भक्ति और नैनों में दर्शन का उत्साह लिए भक्तों को मां के दर्शन मात्र से ही हो जाती है फलों की प्राप्ति। लघु त्रिकोण पर मां के मंदिर में मां का विग्रह श्रीयंत्र पर है। कहते है नवरात्र के नौ दिनों में मां के मंदिर में लगे ध्वजा पर ही विराजती है। ताकि किसी वजह से मंदिर में न पहुंच पाने वालों को भी मां के सूक्ष्म रूप के दर्शन हो जाएं। नवरात्र के दिनों में इतनी भीड़ होती है कि अधिसंख्य लोग मां की पताका के दर्शन करके ही खुद को धन्य मानते हैं

अद्भूत व निराली है। पुराणों में विन्ध्याचल को शक्तिपीठ, सिद्धपीठ व मणिपीठ कहा गया है। चूणामणि में 51 शक्तिपीठ व श्रीमद्भागवत में 108 पीठों का उल्लेख मिलता है। जिसमें विन्ध्याचल शक्तिपीठ का विशेष महत्व है। विन्ध्य पर्वत माला की आंचलों में स्थित यह विंध्याचल शक्तिपीठ अनादिकाल से ही शक्ति की लीला भूमि रही है। शास्त्रों के अनुसार शती के पृष्ठभाग का विपार्थ हुआ था। कहा जाता है कि मां देवी पार्वती ने यहीं पर तप कर अर्पणा नाम पाया व भगवान शिव को प्राप्त किया।

विन्ध्य क्षेत्रे समं क्षेत्रं, नास्ति ब्रहमांड गोलके।
विन्ध्य क्षेत्रं परम् दिव्यं, पावनं मंगलं प्रदत।।

अर्थात विन्ध्याचल जैसा स्थान, जहां मां भगवती के तीनों रुप मां लक्ष्मी, मां काली मां सरस्वती एक ऐसे त्रिकोण पर विराजमान है, जो पूरे ब्रहमांड में कहीं नहीं है। घण्ट-घड़ियालों के संगीतमयी स्वर से गूंजने वाले इस क्षेत्र में लोगों का मन शांतचित्त हो जाता है। पतित पावनी मां गंगा एवं शक्तिरूपी मां विन्ध्यवासिनी से मिजार्पुर की धरती पवित्र हो जाती है। सिद्धपीठ विन्ध्याचल धाम पुरातन काल से ऋषियों-मुनियों व जनसाधारण के लिए आकर्षण एवं प्रेरणा का स्रोत रहा है।

नंदगोप गृहे जाता यशोदागर्भसम्भवा,
तत्स्तौ नाशयिष्यामि विन्ध्याचलवासिनी।।

अर्थात भगवती जी ने स्वयं बोली है मैं द्वापर युग में नंद के यहां यशोदा के गर्भ से पैदा होंगी और कंस के हाथों से मुक्त होकर विन्ध्य क्षेत्र में निवास करेगी। कहा जाता है कि जो मनुष्य इस स्थान पर तप करता है, उसे अवश्य सिद्दि प्राप्त होती है। विविध संप्रदाय के उपासकों को मनवांछित फल देने वाली मां विंध्यवासिनी देवी अपने अलौकिक प्रकाश के साथ यहां नित्य विराजमान रहती हैं। ऐसी मान्यता है कि सृष्टि आरंभ होने से पूर्व और प्रलय के बाद भी इस क्षेत्र का अस्तित्व कभी समाप्त नहीं हो सकता। ब्रह्मा, विष्णु व महेश भी भगवती की मातृभाव से उपासना करते हैं, तभी वे सृष्टि की व्यवस्था करने में समर्थ होते हैं। इसकी पुष्टि मार्कंडेय पुराण श्री दुर्गा सप्तशती की कथा से भी होती है। नवरात्र में महानिशा पूजन का भी अपना महत्व है। यहां अष्टमी तिथि पर वाममार्गी तथा दक्षिण मार्गी तांत्रिकों का जमावड़ा रहता है। आधी रात के बाद रोंगटे खड़े कर देने वाली पूजा शुरू होती है। ऐसा माना जाता है कि तांत्रिक यहां अपनी तंत्र विद्या सिद्ध करते हैं।

मां चूड़ा छोड़ती है

यहां विशाल नीम के पेड़ पर मां चूड़ा छोड़ती है ऐसा भक्तों का मान्यता है। अतः जहां भी मां का मंदिर होता है वहां नीम का पेड़ अवश्य होता है। मां के श्रृंगार हेतु यहीं पर चंदन घिसा जाता है। मां के द्वार पर विराजित गणेशजी की पूजा के बाद मां की श्रृंगार फिर आरती की जाती है। मंदिर का उपरी परिसर जहां भक्त परिक्रमा व धागा बांधते है। मंदिर में पाठ करते हुए ये भक्त यहीं पर साधना करते है, जिनका मां इनका कल्याण करती है। भक्त हलवे का प्रसाद बनाकर लाते है और मंदिर के भक्तों में वितरीत कराते है।

जब बैकुंठ पर भारी पड़ा मां का पलड़ा

कहा जाता है कि एक बार नारायण ने भगवान महादेव से विन्ध्य क्षेत्र की महिमा का वृतांत पूछा, महादेव ने कहा, विन्ध्य क्षेत्रस्य महात्मयम वक्तु शिशु परमेश्वरम्
लिखतुम हहया क्षचु इष्टतः सुरेश्यम

अर्थात विन्ध्य क्षेत्र की महिमा हजार मुख वाले सिस, लिखने को हजार भुजा वाले अर्जुन व सहस्त्र शस्त्रों से युक्त इंद्र भी बताने में असमर्थ है। जबकि एक बार ब्रहमा ने तराजु पर वैकुंठ व विंध्याचल को तौला था। वैकुंठ का पलड़ा हल्का होने से वह स्वर्ग चला गया, जबकि विंध्य पृथ्वी पर ही रह गया। इस तरह वैकुंठ स्वर्ग से भी विन्ध्यधाम अतिउत्तम है।

एचकेआरएनएल कर्मचारियों की दुर्दशा: सरकारी व्यवस्था का एक और छलावा

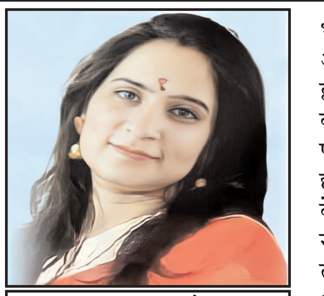
-प्रियंका सौरभ

हरियाणा कौशल रोजगार निगम लिमिटेड (एचकेआरएनएल) के तहत कार्यरत कर्मचारियों की स्थिति दिन-ब-दिन बदतर होती जा रही है। यह कर्मचारी मेरिट के आधार पर भर्ती तो होते हैं, लेकिन इन्हें न तो उचित वेतन मिलता है और न ही नौकरी की सुरक्षा। सरकार इन्हें एक अस्थायी समाधान के रूप में इस्तेमाल कर रही है, लेकिन इनके अधिकारों की कोई परवाह नहीं की जा रही। एचकेआरएनएल के तहत काम कर रहे कर्मचारी सरकार के लिए सिर्फ एक अस्थायी समाधान बनकर रह गए हैं। सरकार इनका उपयोग कर वाहवाही तो बटोर रही है, लेकिन इन्हें स्थायी नौकरी देने की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठा रही। जब सरकारी विभागों में खाली पदों को भरने की बात होती है, तो इन्हीं कर्मचारियों को दिखाकर सरकार आंकड़े चमकाने में लगी रहती है।

सरकार का तुगलकी फरमान: एचकेआरएनएल कर्मचारियों की नौकरियों पर संकट

हाल ही में सरकार ने एक ऐसा फरमान जारी किया है, जिससे एचकेआरएनएल कर्मचारियों की नौकरियों पर खतरा मंडराने लगा है। सरकार न केवल इन कर्मचारियों को नियमित करने से कतरा रही है, बल्कि अब उन्हें हटाने की दिशा में भी कदम बढ़ा रही है। यह निर्णय हजारों परिवारों को बेरोजगारी की ओर धकेल सकता है। सरकार ने पहले 58 साल तक सुरक्षा की गारंटी दी थी, लेकिन जनवरी माह में विभिन्न विभागों में कार्यरत सैकड़ों एचकेआरएनएल कर्मचारियों को हटा दिया गया। जब हटाए गए कर्मचारियों ने रोष प्रदर्शन किया, तब भी सरकार ने उनकी एक न सुनी। अब हरियाणा कौशल रोजगार निगम द्वारा वन विभाग में कार्यरत कर्मचारियों को ईद के पवित्र त्योहार पर बड़ा झटका देते हुए नौकरी से हटा दिया गया। पंचकूला मुख्यालय के अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक ने इन कर्मचारियों की सेवाएं तत्काल प्रभाव से समाप्त करने का आदेश जारी किया है।

इसके अतिरिक्त, सरकार ने शिक्षा विभाग में कार्यरत सैकड़ों सरप्लस शिक्षकों को भी हटाने का निर्णय लिया है। यह फैसला न केवल शिक्षकों के लिए एक बड़ा झटका है, बल्कि शिक्षा प्रणाली पर भी नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। शिक्षक लंबे समय से छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए समर्पित थे, लेकिन अब उनकी नौकरियों पर संकट मंडरा रहा है।

मुख्य समस्याएँ

एचकेआरएनएल के कर्मचारी नियमित सरकारी कर्मचारियों की तरह ही कार्य करते हैं, लेकिन इन्हें मात्र एक तिहाई वेतन मिलता है। यह स्थिति न केवल आर्थिक रूप से इन कर्मचारियों को कमजोर बना रही है, बल्कि उनके मनोबल को भी गिरा रही है। कर्मचारियों को समय पर वेतन न मिलने की समस्या लगातार बनी हुई है। कई बार महीनों तक वेतन अटका रहता है, जिससे वे आर्थिक संकट का सामना करने को मजबूर होते हैं। नियमित कर्मचारियों की तुलना में इन कर्मचारियों से अधिक कार्य लिया जाता है, लेकिन उन्हें कोई स्थायित्व नहीं दिया जाता। नतीजतन, वे हमेशा असुरक्षा के माहौल में कार्य करने को मजबूर रहते हैं। जब भी हरियाणा विधानसभा में खाली सरकारी पदों को भरने की मांग उठती है, सरकार इन कर्मचारियों को केवल आंकड़ों की बाजीगरी में इस्तेमाल करती है। सरकार यह दिखाने का प्रयास करती है कि उसने रोजगार उपलब्ध करा दिया है, लेकिन वास्तविकता में इन कर्मचारियों को केवल अल्पकालिक संविदा पर रखा जाता है। नियमित कर्मचारियों को जहां सभी प्रकार की छुट्टियाँ मिलती हैं, वहीं एचकेआरएनएल के कर्मचारियों को छुट्टियों की सुविधा तक नहीं दी जाती। इसका असर उनके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर पड़ता है।

नौकरी छिनने का खतरा

सरकार के नए आदेश के अनुसार, एचकेआरएनएल के कर्मचारियों को हटाने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। यह फैसला उन हजारों कर्मचारियों के लिए बड़ा झटका है, जिन्होंने वर्षों तक सस्ती मजदूरी पर मेहनत की है। अन्य सरकारी योजनाओं से बाहर रखा जानाइन कर्मचारियों को किसी भी सरकारी लाभ, बीमा, पेंशन या अन्य सुविधाओं का अधिकार नहीं दिया गया है, जिससे इनका भविष्य पूरी तरह से असुरक्षित बना हुआ है। नौकरी की अस्थिरता और भविष्य की अनिश्चितता के कारण कर्मचारियों में भारी मानसिक तनाव देखने को मिल रहा है। यह स्थिति न केवल उनके जीवन स्तर को प्रभावित कर रही है, बल्कि उनके परिवारों पर भी नकारात्मक प्रभाव डाल रही है।

समाधान के संभावित उपाय

एचकेआरएनएल कर्मचारियों को उनके कार्य के अनुरूप वेतन दिया जाना चाहिए। यह अन्यायपूर्ण है कि वे समान कार्य के लिए नियमित कर्मचारियों की तुलना में बहुत कम वेतन प्राप्त करें। सरकार को सुनिश्चित करना चाहिए कि इन कर्मचारियों को वेतन समय पर मिले ताकि वे आर्थिक संकट से बच सकें। जो कर्मचारी लंबे समय से कार्यरत हैं, उन्हें स्थायी करने की नीति बनाई जानी चाहिए। इससे वे अधिक सुरक्षित महसूस करेंगे और अपने कार्य में और अधिक दक्षता ला सकेंगे। कर्मचारियों पर जरूरत से ज्यादा कार्यभार डालने के बजाय उनके कार्य को नियमित सरकारी कर्मचारियों के कार्य से संतुलित किया जाए। सरकार को आंकड़ों की बाजीगरी छोड़कर वास्तविकता को स्वीकार करना चाहिए और एचकेआरएनएल कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए।

सरकार को तुगलकी फरमान वापस लेना चाहिए और इन कर्मचारियों के लिए नौकरी की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए। यदि सरकार इस दिशा में कदम नहीं उठाती, तो यह हजारों परिवारों की आर्थिक स्थिति पर गहरा प्रभाव डालेगा। एचकेआरएनएल कर्मचारियों को भी अन्य सरकारी कर्मचारियों की तरह बीमा, पेंशन और अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ मिलना चाहिए, जिससे उनका भविष्य सुरक्षित हो सके। यदि सरकार उनकी मांगों को अनसुना करती है, तो इन कर्मचारियों को कानूनी सहारा लेना चाहिए और न्यायालय में अपनी आवाज उठानी चाहिए। यह एक संवैधानिक अधिकार है कि उन्हें उनके श्रम का उचित मूल्य मिले।

आगे की राह

एचकेआरएनएल कर्मचारी सरकार के लिए केवल अस्थायी समाधान बनकर रह गए हैं। उन्हें पूर्णकालिक नौकरी का वादा किया जाता है, लेकिन वास्तविकता में वे एक अनिश्चित भविष्य की ओर धकेले जा रहे हैं। यदि सरकार जल्द ही इस मुद्दे को गंभीरता से नहीं लेती, तो ये कर्मचारी विरोध प्रदर्शन करने पर मजबूर हो सकते हैं। न्यायसंगत वेतन, समय पर भुगतान, स्थायीकरण और नौकरी की सुरक्षा जैसी मांगों को सरकार को प्राथमिकता देनी चाहिए ताकि इन कर्मचारियों को उनका हक मिल सके। इसके अलावा, कर्मचारियों को कानूनी कदम उठाने और अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करने की भी जरूरत है।

महाराष्ट्र सदन घोटाले में छगन भुजबल को बरी किए जाने के फैसले को चुनौती, बॉम्बे हाई कोर्ट ने 28 अप्रैल तक स्थगित की सुनवाई

मुंइई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने महाराष्ट्र सदन घोटाले में एनसीपी मंत्री छगन भुजबल और अन्य को बरी किए जाने को चुनौती देने वाली कार्यकर्ता अंजलि दमानिया की याचिका पर सुनवाई 28 अप्रैल तक के लिए स्थगित कर दी। यह फैसला तब आया जब अदालत इस बात पर विचार कर रही थी कि बरी किए जाने को चुनौती देने का कानूनी अधिकार किसके पास है।

दमानिया की याचिका न्यायमूर्ति शिवकुमार डिगे की पीठ के समक्ष सूचीबद्ध की गई, जहां मामले में आरोपी महाराष्ट्र के पूर्व प्रधान सचिव का प्रतिनिधित्व कर रहे अधिवक्ता गिरीश कुलकर्णी ने इस बात पर चिंता जताई कि क्या दमानिया, जो न तो शिकायतकर्ता हैं और न ही गवाह, को बरी किए जाने को चुनौती देने का अधिकार है। कुलकर्णी ने तर्क दिया कि ऐसे मामलों में केवल राज्य को ही उच्च न्यायालय जाने का अधिकार है।

उन्होंने आगे बताया कि बॉम्बे हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने पहले इस मामले को न्यायमूर्ति एसएम मोदक की पीठ को सौंपा था, जिसका उद्देश्य पहले यह निर्धारित करना था कि दमानिया को आदेश को चुनौती देने का कानूनी अधिकार है या नहीं।

हालाँकि, चूँकि न्यायमूर्ति मोदक वर्तमान में न्यायमूर्ति सारंग कोतवाल के साथ खंडपीठ में बैठे हैं। इसलिए उनकी एकल पीठ उपलब्ध नहीं थी, जिसके कारण स्थगन हुआ।

दमानिया का प्रतिनिधित्व करने वाले अधिवक्ता रिजवान मर्चेंट ने अदालत से आग्रह किया कि वह उच्च न्यायालय रजिस्ट्री को यह स्पष्ट करने का निर्देश दे कि कौन सी पीठ याचिका पर सुनवाई करेगी।

हालांकि, न्यायमूर्ति डिगे ने यह देखते हुए निर्णय टाल दिया कि बुधवार की सुनवाई में लोक अभियोजक अनुपस्थित थे और मामले की सुनवाई 28 अप्रैल को फिर से होगी। दमानिया के अलावा शिवसेना विधायक सुहास कांडे ने भी मामले के सिलसिले में अदालत का दरवाजा खटखटाया है। दमानिया ने मूल रूप से 2021 में अपनी याचिका दायर की थी, लेकिन बॉम्बे उच्च न्यायालय की पांच अलग-अलग पीठों ने मेरे समक्ष नहीं का हवाला देते हुए इस पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया।

दो साल की देरी के बाद, उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया, जिसने उन्हें अपनी याचिका पर सुनवाई के लिए मुख्य न्यायाधीश से एक नई पीठ के लिए असाइनमेंट मांगने का निर्देश दिया।

दत्तक बस्ती में भारतीय सदविचार मंच निराधार पेंशन योजना का शुभारंभ

ठाणे (उत्तरशक्ति)। गुड़ी पाड़वा के पावन अवसर पर समाजिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक संस्था द्वारा ली गई दत्तक बस्ती काजूपाढा. (घोडबंदर रोड, वरदान लोक आश्रम के सामने, ठाणे) में रहने वाले निराश्रित, निराधार, अकेलेपन का दंश झेल रहे, बुजुर्गों और दिव्यांगों के जीवन को आसान,सहज ,सरल जीवन व्यतीत करने के लिए सामाजिक, साहित्यिक सांस्कृतिक संस्था भारतीय सदविचार मंच द्वारा निराधार पेंशन योजना का शुभारंभ (लांचिंग) किया गया। इस योजना के अंतर्गत लाभार्थी को प्रति माह 750/-(सात सौ पचास रुपए) ससम्मान प्रदान किया जायेगा। काजूपाढा.निवासी बुजुर्ग महिला, चन्द्रकला सालुंखे इस योजना की पहली लाभार्थी बनीं। इस योजना के अंतर्गत उन्हें अप्रैल,मई और जून -2025 के लिए एक साथ 2250/-(रुपए दो हजार दो सो पचास) की धनराशि प्रदान की गई।काजूपाढ़ा और आस पास की गरीब बस्तियों का संस्था द्वारा सर्वेक्षण किया जाएगा,जिनकी पात्रता होगी, उन्हें भी इस योजना का लाभ मिलेगा। इस अवसर पर बस्ती में सामूहिक आयोजनों के लिए बस्ती के लिए संस्था की ओर से 20 कुर्सियां प्रदान की गईं। इसके पहले भी 20 कुर्सियां और आयोजनों में काम आने वाले आवश्यक बर्तन भी प्रदान किये जा चुके हैं। संस्था अध्यक्ष डॉ शिवश्याम तिवारी की अध्यक्षता और संस्था संस्थापक, मुख्य मार्गदर्शक डॉ.राधेश्याम तिवारी और वरिष्ठ पत्रकार आरटीआई कार्यकर्ता अनिल गलगली के मुख्य आतिथ्य में संपन्न इस कार्यक्रम में अतिथि के रूप में कार्यकारिणी मार्गदर्शक मंडल के सदस्य समाजसेवी श्रीकांत पाण्डेय, इंद्रमणि दुबे और हरिशंकर तिवारी के आलावा संस्था कार्यकारिणी के पदाधिकारी मनोज चतुवेर्दी, सुभाषचंद्र दुबे, शाखा प्रभारी रत्नेश दुबे, उमेश सिंह और कमलाकांत त्रिपाठी उपस्थित थे। इस अवसर पर बड़ी संख्या में बस्ती के निवासी उपस्थित थे। संस्था के महामंत्री नागेन्द्र मिश्रा ने कार्यक्रम का सफल संचालन किया और स्थानीय कार्यकर्ता प्रमोद तिवारी ने आभार व्यक्त किया। काजूपाढा.के स्थानीय कार्यकताओं ने अपना भरपूर सहयोग दिया।

रिलायंस जनरल इंश्योरेंस ने हेल्थ इन्शुरन्स मतलब रिलायंस जनरल इन्शुरन्स अभियान शुरू किया

मुंबई। रिलायंस जनरल इंश्योरेंस अपने नवीनतम अभियान, ₹ हेल्थ इन्शुरन्स मतलब रिलायंस जनरल इंश्योरेंस₹ को लॉन्च करने के लिए उत्साहित है, जिसमें कस्टमाइजेबल स्वास्थ्य योजनाएँ, बीमा राशि पर असीमित रिफिल, महिलाओं और बालिकाओं को छूट, और कई अन्य सुविधाएँ शामिल हैं, रिलायंस जनरल इंश्योरेंस आपके कवरेज का सही विकल्प है - क्योंकि आपका स्वास्थ्य सर्वश्रेष्ठ का हकदार है ।

स्वास्थ्य बीमा एक सुरक्षा जाल से कहीं अधिक है; यह एक महत्वपूर्ण वित्तीय सुरक्षा है जो आपको चिकित्सा आपात स्थितियों की अत्यधिक लागतों से बचाता है। स्वास्थ्य सेवा व्यय लगातार बढ़ रहे हैं, एक स्वास्थ्य बीमा योजना होना जो कस्टमाइजेबल स्वास्थ्य योजनाएँ प्रदान करती है, और कई अन्य सुविधाएँ किसी भी अप्रत्याशित परिस्थितियों में आपको और आपके परिवार की भलाई सुनिश्चित करने का अगला कदम है।

रिलायंस जनरल इंश्योरेंस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री राकेश जैन ने इस पहल पर अपने विचार साझा करते हुए कहा, ₹रिलायंस जनरल इंश्योरेंस में, हमारी प्रतिबद्धता हमेशा से अपने ग्राहकों को पहले स्थान पर रखने की रही है, जिसमें अभिनव और अनुकूलन योग्य स्वास्थ्य बीमा समाधान प्रदान करना शामिल है। अपने नवीनतम अभियान के साथ, हम व्यापक कवरेज प्रदान करने के अपने वादे को मजबूत करते हैं जो वास्तव में प्रत्येक व्यक्ति और परिवार की भलाई को प्राथमिकता देता है।

फोर्स मोटर्स लिमिटेड भारतीय रक्षा बलों को 2,900 से अधिक फोर्स गोरखा वाहनों की आपूर्ति करेगी

मुंबई। मजबूत और विश्वसनीय वाहनों के निर्माण में अग्रणी फोर्स मोटर्स लिमिटेड ने आज घोषणा की कि उसे भारतीय रक्षा बलों से 2,978 वाहनों की आपूर्ति का एक बड़ा आदेश मिला है। यह ऐतिहासिक ऑर्डर भारत की रक्षा क्षमताओं को सशक्त बनाने में कंपनी की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दशार्ता है और भारतीय रक्षा क्षेत्र के साथ इसके लंबे समय से चले आ रहे विश्वासपूर्ण संबंधों को और मजबूती देता है। इन वाहनों को भारतीय सेना और वायु सेना की विविध परिचालन आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विशेष रूप से तैयार किया गया है। यह ऑर्डर मिशन-रेडी वाहनों की आपूर्ति में फोर्स मोटर्स की क्षमता को रेखांकित करता है, जो कठिनतम परिस्थितियों में भी भरोसेमंद प्रदर्शन के लिए जाने जाते हैं। फोर्स मोटर्स कई वर्षों से अपने गुरखा एलएसवी (लाइट स्ट्राइक व्हीकल) के माध्यम से रक्षा बलों की आवश्यकताओं को पूरा करती रही है। यह वाहन अपनी दमदार बनावट, ऑफ-रोड क्षमता और हर परिस्थिति में ढलने की खूबी के लिए जाना जाता है। फोर्स गुरखा को विशेष रूप से कठोर वातावरण में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए डिजाइन किया गया है। इसमें बेहतर ग्राउंड क्लीयरेंस, अपनी श्रेणी में सर्वाधिक वॉटर वेडिंग क्षमता और असाधारण संचालन क्षमता जैसे गुण हैं, जो इसे रेगिस्तानी इलाकों से लेकर पहाड़ी रास्तों तक हर चुनौती से निपटने में सक्षम बनाते हैं। फोर्स मोटर्स के प्रबंध निदेशक श्री प्रसन फिरोदिया ने इस अवसर पर कहा, हमें गर्व है कि हम भारतीय रक्षा बलों के साथ अपनी साझेदारी को इस बड़े ऑर्डर के माध्यम से आगे बढ़ा रहे हैं। हमारे वाहन गुणवत्ता, मजबूती, विश्वसनीयता और प्रदर्शन को केंद्र में रखकर बनाए जाते हैं, जो हमारे सैनिकों की जरूरतों के अनुरूप हैं। यह ऑर्डर फोर्स मोटर्स पर रक्षा बलों द्वारा जताए गए विश्वास का प्रमाण है। फोर्स मोटर्स रक्षा क्षेत्र के लिए अपने उत्पादों को लगातार बेहतर बनाने और बदलती जरूरतों के अनुरूप नवाचार करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह आदेश न केवल राष्ट्रीय सुरक्षा में इसके योगदान को रेखांकित करता है, बल्कि इसे भारत की रक्षा अवसंरचना का एक विश्वसनीय भागीदार भी सिद्ध करता है। वर्ष 1958 में श्री एन. के. फिरोदिया द्वारा स्थापित फोर्स मोटर्स लिमिटेड की नींव आम लोगों को सुलभ, भरोसेमंद और कार्यकुशल परिवहन साधन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रखी गई थी। आज यह कंपनी वाहन, उनके कलपुर्जों और तकनीकी समाधान के निर्माण में पूरी तरह आत्मनिर्भर और एकीकृत ऑटोमोबाइल कंपनी के रूप में जानी जाती है। भारत भर में कंपनी की पाँच अत्याधुनिक निर्माण इकाइयाँ हैं, जहाँ 10,000 से अधिक लोग कार्यरत हैं।

रवि व्यास ने सीवरेज लाइन के लिए मनपा द्वारा लगाए गए शुल्क का किया विरोध

भाईंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भाईंदर महानगरपालिका क्षेत्र मे इन दिनों ठेकेदारों के जरिए प्राइवेट सोसाइटी के सीवरेज सिस्टम को पाइपलाइन के जरिये नजदीकी एसटीपी प्लांट से जोड़ने का काम किया जा रहा है, जिसके लिए मनपा ने पहले सोसाइटी पर इस सुविधा का लाभ लेने के लिए कुल 25 हजार रुपए का शुल्क लगाया था। लेकिन अब मनपा इसके साथ ही सोसाइटी से पाइप लाइन, उसे बिछाने और जोड़ने का खर्च भी सोसाइटी से वसूल रही है। भाजपा नेता एड. रवि व्यास ने मनपा की इस नीति का विरोध किया है। उनका कहना है की महापालिका सोसाइटी और आम जनता पर अतिरिक्त बोझ लाद रही है। साथ ही शहर मे 50 प्रतिशत सोसाइटी में यह काम पहले ही किया जा चुका है और अब बची हुई सोसाइटी से इस खर्च की भरपाई

अन्यायपूर्ण है। एड रवि व्यास का कहना है कि महानगरपालिका और ठेकेदारों की देरी की वजह से आम जनता से इस तरह से वसूले जाने की नीति असंगत तथा अन्यायपूर्ण है। उन्होंने मनपा आयुक्त को पत्र लिखकर इस विषय की तरफ उनका ध्यान आकर्षित करवाया है और इस नये नियम को वापस लेने की मांग की है। गौरतलब है कि कई सोसाइटी और आम जनता में भी मनपा की इस नीति को लेकर असंतोष देखने को मिल रहा है।

नवी मुंबई के डॉक्टर ने इटली फ्लोरेंस में आयोजित प्रतिष्ठित यूरोपीय चिकित्सा कांग्रेस में प्रस्तुत किया अपना क्लीनिकल कार्य

नवी मुंबई (उत्तरशक्ति)। इटली के फ्लोरेंस में आयोजित यूरोपीय कांग्रेस ऑफ इंटरनल मेडिसिन (ईसीआईएम) 2025 में नवी मुंबई के 26 वर्ष के डॉक्टर उदित भास्कर वैश्य ने अपना नैदानिक कार्य और शोध प्रदर्शित किया। यह सम्मेलन आंतरिक चिकित्सा में सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में से एक है, जिसमें विभिन्न चिकित्सा विषयों के विशेषज्ञ एक साथ आते हैं। इसका आयोजक एउक्ट यूरोप में आंतरिक चिकित्सा विशेषज्ञों के लिए एक प्रमुख संगठन है।डॉ. उदित वैश्य, नवी मुंबई स्थित डी.वाई. पाटिल मेडिकल कॉलेज में जनरल मेडिसिन के रेजिडेंट डॉक्टर हैं। उनका काम मेटबोलिक, कार्डियक, न्यूरोलॉजिकल, एंडोक्राइन और गुर्दे की स्थितियों से जुड़े जटिल मामलों पर केंद्रित था। उन्होंने विशेष रूप से उन मामलों पर फोकस किया जिनमें कई विशेषज्ञताओं में सहयोगी प्रबंधन की आवश्यकता होती है। उनके शोध ने बताया कि ओवरलैपिंग लक्षण अक्सर निदान और उपचार को कैसे जटिल बनाते हैं, विशेष रूप से टाइम सेंसिटिव और महत्वपूर्ण मामले के प्रबंधन में बहु-विषयक दृष्टिकोण की आवश्यकता पर जोर देते हैं। डॉ उदित वैश्य के काम ने भारतीय डॉक्टरों की नैदानिक विशेषज्ञता को भी रेखांकित किया, जो जटिल स्थितियों का सटीक निदान और उपचार करने की उनकी क्षमता को प्रदर्शित करता है। डॉ. उदित वैश्य ने बताया, ₹ये मामले अक्सर ऐसे लक्षणों के साथ आते हैं जो स्पष्ट रूप से एक ही विशेषता के अंतर्गत नहीं होते हैं। उदाहरण के

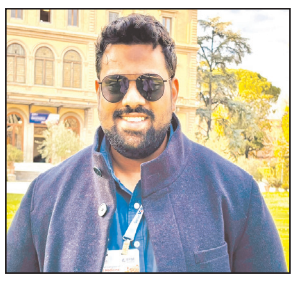

लिए, न्यूरोलॉजिकल समस्याओं के साथ आने वाला एक मरीज एक अंतर्निहित मेटाबोलिक बीमारी का संकेत दे सकता है जो भविष्य में जोखिम पैदा कर सकता है, जिसके लिए समय और उपलब्ध संसाधनों पर सावधानीपूर्वक विचार करते हुए प्रत्येक मामले के लिए एक सूक्ष्म दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है।

डॉ उदित वैश्य ने बताया, इस प्रमुख चिकित्सा सम्मेलन में मैंने यह तथ्य उजागर करने का लक्ष्य रखा कि भारतीय डॉक्टर असाधारण नैदानिक कौशल का प्रदर्शन करते हैं और संसाधनों की कमी के बावजूद सकारात्मक रोगी परिणाम प्राप्त करते हैं। उनके अध्ययन ने नैदानिकचुनौतियों, उपचार रणनीतियों और रोगी परिणामों की जांच की, वास्तविक दुनिया के नैदानिक अवलोकनों की एक सीरिज से अंतर्दृष्टि प्राप्त की। इसमें निम्नलिखित मामले शामिल थे: बुलबार ऑनसेट एएलएस, एक नए निदान किए गए स्जोग्रेन सिंड्रोम रोगी में रीनल ट्यूबलर एसिडोसिस, जो डेंगू संक्रमण से ट्रिगर होने वाले श्वसन पतन के साथ हाइपोकैलेमिक पैरालिसिस के रूप में प्रस्तुत होता है।

कापड़िया हॉस्पिटल ने MISSO के साथ आर्थोपेडिक केयर को बेहतर बनाया

मुंबई। कापड़िया हॉस्पिटल ने घुटने की रिप्लेसमेंट सर्जरी के लिए भारत में डिजाइन की गई एडवांस्ड रोबोटिक सिस्टम, टक्करड को स्थापित करके अपनी आर्थोपेडिक केयर (देखभाल) को और भी बेहतर बनाया है। मुंबई में यह पहला इंस्टॉलेशन है। टक्करड स्मार्ट टेक्नोलॉजी को सर्जिकल कुशलता के साथ जोड़ता है, जिससे उत्तम चिकित्सा परिणाम और तेजी से रिकवरी होती है, जो अंततः गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा को अधिक सुलभ बनाता है। भारत के उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री माननीय श्री पीयूष गोयल द्वारा लॉन्च किए गए, टक्करड ने रोबोटिक ज्वाइंट रिप्लेसमेंट में एक नया बेंचमार्क स्थापित किया है, जो अपनी कार्यक्षमता और नवीनता के लिए मान्यता प्राप्त कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा सराहना किया गया MISSO का अक्र-संचालित अधिक सटीक और न्यूनतम इन्वेसीव अभिगम, तेजी से रिकवरी और बेहतर सर्जिकल परिणाम को और भी सक्षम बनाता है। कापड़िया हॉस्पिटल के रोबोटिक घुटने और कंधे के सर्जन डॉ. राहुल मोदी ने कहा कि,MISSO ने सर्जिकल विशेषज्ञता के साथ अत्याधुनिक अक को जोड़कर भारत में आर्थोपेडिक सर्जरी को और भी बेहतर बनाया है। एक स्वदेशी रोबोटिक सिस्टम के रूप में, यह सटीकता बढ़ाता है, रिकवरी के समय को कम करता है और सर्जिकल परिणामों में सुधार लाता है। जिससे मरीजों को तेजी से और अधिक आराम के साथ गतिशीलता प्राप्त करने में मदद मिलती है। मेडिकल टेक्नोलॉजी में यह सफलता रोगी देखभाल का स्टैंडर्ड बढ़ाती है, जिससे एडवांस्ड आर्थोपेडिक ट्रीटमेंट अधिक प्रभावी और सुलभ हो जाता है।

कापड़िया हॉस्पिटल के संस्थापक, संचालक और सलाहकार लेप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ. राजन मोदी ने कहा कि, MISSOकी बहुमुखी प्रतिभा इसे अलग बनाती है, जो हमें असाधारण सटीकता के साथ आर्थोपेडिक प्रक्रियाओं की एक विस्तृत श्रृंखला करने में सक्षम बनाती है।

सलिला पांडे ने एसबीआई कार्ड में बतौर एमडी और सीईओ जिम्मेदारी संभाली

मुंबई (उत्तरशक्ति)। भारत के सबसे बड़े प्योर-प्ले क्रेडिट कार्ड इश्यूर एसबीआई कार्ड ने घोषणा की है कि सुश्री सलिला पांडे ने 01 अप्रैल 2025 से कंपनी के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी के तौर पर कार्यभार संभाला है। सुश्री पांडे भारतीय स्टेट बैंक में लगभग तीन दशकों के लंबे और एक सफल करियर के साथ अनुभवी बैंकर हैं। उन्होंने भारत और विदेशों में कई प्रमुख लीडरशिप पदों पर जिम्मेदारियाँ निभाई हैं। एसबीआई कार्ड की जिम्मेदारी संभालने से पहले सुश्री पांडे मुंबई मेट्रो सर्किल की मुख्य महाप्रबंधक थीं। यहाँ उन्होंने बैंक के प्रमुख हिस्से फाइनैंशियल मार्केट के रीटेल

बिजनेस का नेतृत्व किया। इसके अलावा, उन्होंने एसबीआई कैलिफोर्निया में बतौर अध्यक्ष और सीईओ अपनी पिछली भूमिका में कोविड-19 के दौरान अनिश्चित आर्थिक माहौल के बीच बैंक के विकास का कुशलतापूर्वक नेतृत्व किया।

इस नियुक्ति पर अपने विचार साझा करते हुए, भारतीय स्टेट बैंक के अध्यक्ष चल्ला निवासुलु सेट्टी ने कहा: मुझे एसबीआई कार्ड की एमडी और सीईओ के रूप में सुश्री सलिला पांडे का स्वागत करते हुए बेहद प्रसन्नता हो रही है और मुझे विश्वास है कि उनके नेतृत्व में एसबीआई कार्ड सभी शेयरहोल्डर्स के लिए नवाचार, विस्तार और मूल्य सृजन करना जारी रखेगा। मेरी ओर से उन्हें ढेर सारी शुभकामनाएँ।

एसबीआई कार्ड की प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुश्री सलिला पांडे ने कहा: मैं इस परिवर्तनकारी मोड़ पर एसबीआई कार्ड की भूमिका और नेतृत्व करने के लिए सम्मानित महसूस कर रही हूँ।

बिहार जनसेवा संस्था द्वारा धूमधाम से मनाया गया 'बिहार दिवस'

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। परिश्रमी एवं प्रतिभाशाली प्रसिद्ध धार्मिक धरोहरों के लिए विख्यात नालंदा की मिट्टी से लेकर बोधगया के आध्यात्मिक शांति का प्रतीक बिहार के महानता की 113 वाँ स्थापना दिवस को 'बिहार जनसेवा संस्था रजि.' द्वारा नवसंवत्सर नवरात्रोंत्सव पर रविवार 30 मार्च 25 को बोईसर शहर (प.) अंतर्गत स्थित बंजारी समाज हाल में बिहार की खूबसूरती से शानदार संजी महफिल में धूमधाम के साथ हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया।

बिहार दिवस-2025 की थीम 'उन्नत बिहार-विकसित बिहार' के शानदार कार्यक्रम का आरंभ भोजपुरी की स्वर कोकिला स्व.शारदा सिन्हा को श्रद्धांजलि भेंटकर सर्वप्रथम 'गरजा महाराष्ट्र माझा' महाराष्ट्र गीत एवं विश्व शांति के अग्रदूत बिहार गान से की गयी।

समारोह के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम में स्व.शारदा सिन्हा के प्रसिद्ध गीतों की माला लेकर पहुंची मुंबई की गायिका ममता उपाध्याय ने अपने आवाज से विनम्र आदरांजलि भेंट की तो उनके साथ लोकगायक दिनेश्वर कुशवाहा, रविंद्र विश्वकर्मा की तिकड़ी ने सुर में संजी फाग,चैता और छठपूजा के गीतों ने उत्सव में शामिल लोगों के लिए शाम को यादगार बना दिया।

'बिहार जनसेवा संस्था रजि.' के संस्थापक/अध्यक्ष बबन कुमार सिंह ने परिश्रमी बिहार का परिचय देते हुए जन्मभूमि के साथ-साथ कर्मभूमि के सम्मान से उन्नत करता बिहार पर सभी को गौरवशाली बताते सभी आगतों का आभार जताया। समारोह का सफल संचालन कर रहे चंदन झा ने खुब जमीं महफिल में संस्था के पदाधिकारियों द्वारा बीच-बीच में आतिथ्य सत्कार कराया। उत्सव में आये लोगों ने बिहार का प्रसिद्ध व्यंजन 'लिट्टी-चोखा' को चटखारे लेकर आनंद भी ली। 'बिहार दिवस समारोह' में भाजपा (उ.भा.मोर्चा)प्रदेश महामंत्री प्रदुम्न शुक्ला, प्रदेश सचिव चंद्रप्रकाश मिश्रा, अमित जैन व जिले के वरिष्ठ नेता संजय ज.पाटील, अशोक वडे, प्रशांत संखे, रंजना

कि.संखे, सत्यप्रकाश सिंह, महेंद्र भोणे, शिवसेना के प्रभाकर राऊल, निलम रमा.संखे, मुकेश पाटील, अतुल देसाई, बजरंग दल जिला संयोजक कुंदन सिंह, उद्योजक गिरजेश सिंह समेत बड़ी संख्या में गणमान्यजन उपस्थित रहे। इस आयोजन को सफल बनाने में आर.बी.सिंह,संजय ठाकुर,कुंदन सिंह,उमेश सिंह, बी.के.झा,अनिल चौधरी, वकील मेहता,दिनेश्वर कुशवाहा, मनीष सिंह,मुकलेश गिरी और शैलबाला सिंह यादव आदि का विशेष योगदान रहा।

उत्तरशक्ति

* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति**, विश्व समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

स्कूल चलो अभियान को बेहतर ढंग से सम्पादित करें: बीएसए

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकासखंड करंजाकला के प्राथमिक विद्यालय शिकारपुर में नवीन नामांकन, शारदा संगोष्ठी, वार्षिकोत्सव एवं पुस्तक वितरण कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डा0

◆ प्राथमिक विद्यालय शिकारपुर में नवीन नामांकन, शारदा संगोष्ठी, वार्षिकोत्सव एवं पुस्तक वितरण सम्पन्न

गोरखनाथ पटेल के द्वारा द्वीप प्रज्वलित कर किया गया। बेसिक शिक्षा अधिकारी ने शारदा संगोष्ठी में शिक्षा के महत्व पर अपने विचार व्यक्त करते हुए उपस्थित सभी शिक्षकों से अपेक्षा किया कि स्कूल चलो अभियान को बेहतर ढंग से सम्पादित करें। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ0 गोरखनाथ पटेल ने निपुण विद्यालय आकलन में प्रदेश में जौनपुर के प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिए सभी एसआरजी, एआरपी, शिक्षक संकुल व अन्य समस्त शिक्षकों को बेसिक शिक्षा विभाग की तरफ से बधाई दी। 10 नए छात्र-छात्राओं का नवीन नामांकन कक्षा 01 में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा किया गया और उन नवीन बच्चों को विद्यालय की प्रधानाध्यापिका फूलकली यादव ने टीका लगाकर एवं माला पहना कर स्वागत किया। जिला बेसिक शिक्षा

अधिकारी द्वारा विद्यार्थियों को पाठ्यपुस्तकों का वितरण भी किया गया, जिससे उन्हें आगामी शैक्षणिक वर्ष के लिए तैयारी में मदद मिलेगी। उन्होंने बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि शिक्षा का महत्व जीवन में अत्यधिक है और हमें हमेशा अपने उद्देश्य की ओर मेहनत से अग्रसर रहना चाहिए। उन्होंने विद्यालय के निपुण होने पर विद्यालय की प्रधानाध्यापिका फूलकली यादव एवं समस्त स्टाफ की प्रशंसा की। बेसिक शिक्षा अधिकारी ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय के वार्षिकोत्सव में छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी, जिसमें नृत्य, संगीत और नाटक शामिल थे। कार्यक्रम में प्रधानाध्यापिका ने एआरपी करंजाकला जगदीश यादव, संदीप कुमार चौधरी, बीएसए कार्यालय के वरिष्ठ सहायक विंध्यवासिनी उपाध्याय को स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में ग्राम प्रधान चंद्रशेखर, जयप्रकाश, ऊषा देवी, इंद्रा सरोज, चंद्र रेखा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ती गायत्री पाल, रेखा पाल, शिक्षक अनिल कुमार यादव, शैलेन्द्र पाल, श्रीपाल यादव, इंदु प्रकाश यादव, जिला महामंत्री अटेवा, श्रीमती नुजहत अंसारी श्री प्रकाश मौर्य, बृजेश पांडेय और स्थानीय नागरिकों का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। सभी ने इस कार्यक्रम को एक नई दिशा और प्रेरणा देने वाला बताया। कार्यक्रम का संचालन प्रदीप उपाध्याय ने किया।

तेजस जायसवाल ने पुन: परिवार का नाम किया रोशन

बीते कई वर्षों से वह टाप-3 में बनाते चले आ रहे स्थान

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। पिछले कई वर्षों से अपने कक्षा में टाप–3 में अनवरत स्थान बनाये रखने वाले तेजस जायसवाल ने इस बार भी अव्वल आकर परिवार का नाम रोशन कर दिया। बता दें कि नगर के हरिहर इण्टरनेशनल स्कूल परमानतपुर निकट मैहर माता मन्दिर के कक्षा 5 के छात्र तेजस जायसवाल ने अपने

कक्षा में टाप–3 में स्थान बनाया। बता दें कि इसके पहले कई वर्षों से वह अपने कक्षा में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर आता रहा है। मंगलवार को विद्यालय प्रांगण में आयोजित अंक पत्र वितरण एवं सम्मान समारोह में विद्यालय की प्रधानाचार्य वन्दना सिंह ने तेजस को अंक प्रमाण पत्र एवं मेडल देकर सम्मानित किया। साथ ही उसके उज्वल भविष्य की कामना भी किया। इस अवसर पर संस्थापक/ प्रबन्धक/ सचिव डा. ओम प्रकाश सिंह, पवन प्रकाश सिंह, मधुलिका सिंह, अमित प्रकाश सिंह, अतुल प्रकाश सिंह, छाया सिंह, सरोज सिंह, जगदीश जी, श्वेता जी, शिवम जी सहित तमाम शिक्षक, शिक्षिका, स्टाफकर्मी, अभिभावक आदि उपस्थित रहे।

मंगेतर से बात करने के बाद बायोटेक की छात्रा ने हॉस्टल में फांसी लगाकर की आत्महत्या

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में बायोटेक द्वितीय वर्ष में पढ़ने वाली छात्रा ने महिला हॉस्टल में दुपट्टे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हैं। एसपी डॉ कौशतुभ ने बताया कि छात्रा फांसी लगाने से पूर्व अपने मंगेतर से मोबाइल पर बात की थी। 25 सितंबर को उसकी शादी होने वाली थी। जानकारी के अनुसार जौनपुर जिले के जलालपुर थाना क्षेत्र के कोतवालपुर निवासी सुभाष मिश्रा की 22 वर्षीय पुत्री शिवांगी मिश्रा विश्वविद्यालय के बायोटेक विभाग के दितीय वर्ष की छात्रा थी और 25 सितंबर को इसकी शादी होने वाली थी। विश्वविद्यालय के महिला लक्ष्मीबाई महिला छात्रावास के कमरा नम्बर 35 में रहती थी। रात में करीब 11 बजे किसी से तेज आवाज में बात कर रही थी। आसपास के लड़कियां बरामदे में टहल रही थी। कुछ देर बाद आवाज शांत हो गई। अन्य छात्राओ ने टहलने के लिए उसे भी बुलाया, जवाब न मिलने पर दरवाजा पीटा तब भी बोली नहीं, न ही उसका मोबाइल उठा, तो आसपास कमरो में रहने वाली लड़कियों ने वार्डेन को खबर किया वार्डन पहुंचे और वह सूचना अधिकारियों को दी। अधिकारी भी पहुंचे दरवाजा खुलवाया गया। उसकी लाश पंखे में दुपट्टे से लटक रही थी। आनंद-फानन में मृतका के शव को उतरवा कर एंबुलेंस से जिला अस्पताल भेजा। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर परिजन व पुलिस पहुंच गए पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मर्चरी हाउस में रखवा दिया। घटना को लेकर तरह-तरह की बातें हैं। चर्चा है कि वह मोबाइल की लास्ट काल उसके मंगेतर से बात हुई थी। चर्चा है कि वह अपनी शादी को लेकर ही अवसाद में थी।

शराब का पैसे न देने पर पति ने पत्नी को पीट-पीट कर उतारा मौत के घाट, आरोपी पुलिस हिरासत में

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। रामपुर थाना क्षेत्र के कोटिगांव में पत्नी से शराब का पैसा मांगने पर नहीं देने पर पति ने पत्नी को अर्धनग्न कर पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौत की पुष्टि के बाद, महिला के शव को अस्पताल लेकर गई जहां डॉक्टर ने महिला की मौत की पुष्टि कर दिया। बताया जाता है कि कोटिगांव निवासी बच्चन गौतम शराब का आदी है और घर पर आए दिन पत्नी से मारपीट भी करता है। बुधवार की सुबह उसकी पत्नी घर से 500 मीटर दूर जीतापुर गांव में गेहूं के कटाई करने के लिए गई थी। करीब 10:30 बजे उसका पति बच्चन खेत पर पहुंचा और अपनी पत्नी मंजू देवी से दारू पीने के लिए पैसा मांगने लगा मंजू ने पैसा नहीं होने और घर पर चलकर देने की बात कही इसके बाद पति ने उसकी पिटाई करना शुरू कर दिया और उसका खेत में ही धोती उतार दिया, अर्धनग्न होने के बाद ईंट से पिटाई करने के बाद उसकी गेहूं की जड़ में घसीट घसीट कर पीटना शुरू किया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने महिला मंजू देवी की मौत की पुष्टि के लिए सीएचसी ले गई, जहां पर डॉक्टर ने उसकी मौत होना बताया। पुलिस ने शराबी पति को गिरफ्तार कर लिया है शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम में भेजने की तैयारी कर रही है। मृतक महिला के पास एक बेटी अलका 7 वर्ष बेटा निखिल 5 साल है। मृतका के पिता मोती लाल निवासी रैमलपुर, नईबाजार भदोही की तहरीर पर पति बच्चन गौतम पर हत्या का मुकदमा दर्ज, आरोपी पुलिस हिरासत में।

मूर्ति क्षतिग्रस्त करने वाला आरोपी सलाखों के पीछे

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बरसठी स्थानीय थाना क्षेत्र के तेजगढ़ बंजारी गांव के पुलिया के पास स्थित ब्रम्ह बाबा मंदिर पर मूर्ति क्षतिग्रस्त करने वाले आरोपी को पुलिस ने भेजा सलाखों के पीछे मुकदमा पंजीकृत कर की कार्यवाही। थाना प्रभारी राजेश यादव को सुबह 10:30 बजे बंजारी गांव के एक युवक द्वारा सूचना मिला कि ब्रम्ह बाबा मंदिर पर स्थित देवी देवताओं की मूर्तियां किसी अराजकतत्व द्वारा क्षतिग्रस्त किया गया है जिसपर थाना प्रभारी राजेश यादव अपने पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल किया तो ग्रामीणों ने बताया कि अपने ससुराल में आया एक शराबी मुन्ना गौतम पुत्र हरिशंकर गौतम ग्राम वाजिदपुर थाना रामपुर से आकर बीती रात नशे में मूर्तियों को क्षतिग्रस्त ईंट मार कर किया है। जिसको पुलिस ने खोजबीन कर गिरफ्तार कर लिया और घटना के सूचना मिलने के बाद कुछ ही देर में आरोपी को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेज दिया। जिसके ऊपर मूर्ति क्षतिग्रस्त करने के मामले में मुकदमा पंजीकृत कर कार्यवाही की है।

सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले छात्र हुए सम्मानित

धर्मेंद्र कुमार शर्मा

बदलापुर जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकासखंड के अंतर्गत आने वाले पुरानी बाजार में स्थित अभिनव इंग्लिश मीडियम प्राथमिक विद्यालय

पर मंगलवार को अंक पत्र वितरण तथा सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले छात्रों को पुरस्कार तथा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया था। खंड शिक्षा अधिकारी अरविंद कुमार पांडे के निर्देशन में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे क्षेत्रीय विधायक रमेश चंद्र मिश्रा का ढोल नगाड़े के साथ फूलों की वर्षा करते हुए विद्यालय परिवार की तरफ से जोरदार स्वागत किया गया। विधायक द्वारा सर्वप्रथम मां सरस्वती जी की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।जबकि विद्यालय की प्रधानाध्यापिका तथा राज्य पुरस्कार से सम्मानित डॉक्टर विभा शुक्ला की मौजूदगी में कक्षा एक से लेकर कक्षा पांच तक प्रथम तीन स्थान तक सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को अंक पत्र तथा पुरस्कार स्वरूप काफी और कलम देकर सम्मानित किया गया।विधायक ने छात्रों को बेहद प्यार से दुलारते हुए पढ़ाई से संबंधित प्रश्न पूछे, वही सभी छात्रों से मिल रहे जवाब को सुनकर विद्यालय के अध्यापकों की सराहना करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि भाजपा सरकार विद्यालयों के कायाकल्प और बेसिक शिक्षा के सुधार के लिए संकल्पित है। तत्पश्चात मिड डे मील के भोजन की गुणवत्ता देखकर विधायक ने अध्यापकों की जमकर तारीफ किए। जानकारी के अनुसार नए सत्र में प्रवेश कर रहे छात्रों को विद्यालय में प्रथम दिन तिलक लगाकर माला पहना हुए स्वागत भी किया गया। प्रधानाध्यापिका द्वारा बताया गया कि यह कार्यक्रम स्कूल चलो अभियान तथा नामांकन उत्सव के उपलक्ष में आयोजित किया गया था। उक्त अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी अरविंद पांडेय, विधायक प्रतिनिधि गंगा प्रसाद सिंह,पूर्व मण्डल अध्यक्ष विनोद शर्मा,सभासद हरीनाथ मौर्य, मंडल अध्यक्ष शनी शुक्ला, गार्गी त्रिपाठी, एजाज अहमद, प्रियव्रत मिश्रा, श्रीप्रकाश यादव, रीता देवी, प्रतिभा यादव, सुनील कुमार अग्रहरी, शिक्षामित्र अरविंद यादव, मंजू सिंह, शशिकला पांडे सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सेंट पैट्रिक स्कूल के पास अंग्रेजी शराब एवं बियर का ठेका खोले जाने का विरोध

जौनपुर। लाइन बाजार थाना क्षेत्र के सेंट पैट्रिक स्कूल के पास आजमगढ़ राजमार्ग पर अंग्रेजी शराब एवं बियर का ठेका खोले जाने का विरोध करते हुए विशेषरपुर न्यू कालोनी के लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया।आजमगढ़ राजमार्ग पर विशेषरपुर न्यू कॉलोनी के लोगों का कहना है कि अंग्रेजी शराब और बियर का ठेका खुलने से यहां पर दुर्घटनाएं और बढ़ेंगी। आस–पास शराबियों का जमावडा भी होगा और क्षेत्र का वातावरण खराब होगा। यहां अगल-बगल निजी चिकित्सालय तथा विद्यालय भी है। साथ ही दुर्गा माता मंदिर, प्राचीन शिव मंदिर तथा चौरा माता का मंदिर भी है। दर्शन पूजन करने के लिए भी लोग आते जाते रहते हैं। क्षेत्र के सम्भ्रांत लोग भी इधर से आवागमन करते हैं। छात्र-छात्राएं बच्चे, बूढ़े महिलाएं सभी का आना-जाना लगा रहता है।लोगों के अनुसार अक्सर आजमगढ़ राजमार्ग पर जाम की भी स्थिति बनी रहती है। पिछले कुछ समय से यह दुर्घटना बाहुल्य क्षेत्र भी बना हुआ है जिसे जिलाधिकारी डा. दिनेश चंद्र ने संज्ञान भी लिया था। ऐसे में शराब का ठेका यदि यहां खुला तो दुर्घटनाएं और बढ़ेंगी। मोहल्लेवासियों का कहना है कि बियर व अंग्रेजी शराब का ठेका कहीं अन्यत्र खुलवाया जाए। इस क्षेत्र में ना खुलवाया जाए।

शहर में नवीनता का प्रारंभ, नवीन फाइन आर्ट कोचिंग का उद्घाटन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सावित्री कॉन्वेंट स्कूल, अम्बेडकर तिराहा, 13, सिविल लाइन रोड, जौनपुर में एक नए अध्याय का प्रारंभ हुआ है।जहां नवीन फाइन आर्ट कोचिंग का उद्घाटन समारोह संपन्न हुआ। इस अवसर पर

कोचिंग संचालक नवीन विश्वकर्मा, विशेषज्ञ कला शिक्षक ने अपने पिता, शिवकुमार विश्वकर्मा, सेवा निवृत्त सरकारी ऑडिट ऑफिसर के साथ मिलकर हस्तनिर्मित सरस्वती की पेंटिंग के आगे दीप प्रज्वलित किया और कोचिंग का प्रारंभ किया। इस समारोह में उपस्थित होने वाले महत्वपूर्ण अतिथियों में शामिल थे। डॉ. अजीत अस्थाना, मैनेजर, सावित्री कॉन्वेंट स्कूल ,प्रीति यादव रजत सुतर्धार, मनोज प्रजापति, अध्यापक उमा नाथ सिंह हायर सीनियर सेकेंडरी स्कूल, आदर्श पाठक, राजीव वर्मा, राहुल विश्वकर्मा ,रोहित विश्वकर्मा, अविचल शामिल थे। संचालक नवीन विश्वकर्मा, विशेषज्ञ कला शिक्षक ने कहा, यह कोचिंग सेंटर मेरे सपनों का प्रतीक है। जहां मैं नये कलाकारों को उनके चित्रकला की बरीकियो को सुधारने में मदद कर सकता हूं।कोचिंग क्लासेस प्रत्येक दिन 3:00 बजे से 4:00 बजे तक चलेंगी। इस आर्ट कोचिंग में हर उम्र के लोग एडमिशन ले सकते हैं जिन्हें कला में रुचि हो। यह कोचिंग सभी उम्र के लोगों के लिए खुली है।चाहे वे बच्चे हों, युवा हों या वृद्ध। यहाँ पर कला के विभिन्न पहलुओं में प्रशिक्षण दिया जाएगा, जैसे कि पेंटिंग, ड्रॉइंग, स्केचिंग आदि।

वार्डन पर गंभीर आरोप, छात्रा को पीटकर विद्यालय से निकाला

बेटी पढ़ाओ अभियान की उड़ रही धज्जियां

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत जहां सरकार बेटियों की शिक्षा को बढ़ावा दे रही है, वहीं कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, सुइथाकला में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। विद्यालय की छात्रा किरन कुमारी ने प्रभारी वार्डन पूनम सिंह यादव और चौकीदार श्रीकृष्ण यादव पर गंभीर आरोप लगाए हैं।छात्रा का कहना है कि उसने विद्यालय में खाद्यान्न सामग्री और अन्य उपकरणों की चोरी होते हुए देख लिया। जिसके बाद वार्डन और चौकीदार ने उसे एक कमरे में बंद कर बेरहमी से पीटा और फिर विद्यालय से निष्कासित कर दिया।

शिक्षा से किया वंचित, अधिकारियों को लिखी चिट्ठी: छात्रा का कहना है कि उसने इस घटना की शिकायत जिलाधिकारी जौनपुर को पत्र के माध्यम से दी, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इसके चलते उसे अर्धवार्षिक परीक्षा से भी वंचित कर दिया गया। अब वार्षिक परीक्षा नजदीक है और विद्यालय में प्रवेश न मिलने से उसका पूरा साल खराब होने की कगार पर है।

बेटी पढ़ाओ अभियान की उड़ रही धज्जियां: छात्रा ने शिक्षा महानिदेशक लखनऊ से मामले में हस्तक्षेप की मांग की है। उसका कहना है कि सरकार जहां बेटियों की शिक्षा को प्राथमिकता दे रही है, वहीं विद्यालय में छात्राओं के साथ ऐसा व्यवहार किया जा रहा है, जो कि बेहद चिंताजनक है।अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस मामले में क्या कार्रवाई करता है और क्या छात्रा को न्याय मिल पाता है या नहीं!

बरेका में ऑक्सीजन प्लांट की मॉक ड्रिल सफल, चिकित्सालय की आपातकालीन तैयारियों की भी हुई समीक्षा

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के बरेका चिकित्सालय में ऑक्सीजन जनरेशन प्लांट की सक्रियता और कार्यक्षमता सुनिश्चित करने के लिए एक सफल मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस अभ्यास का नेतृत्व बरेका के प्रमुख मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. देवेश कुमार ने किया। उनके साथ उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी, वाराणसी डॉ. अमित गुप्ता और मंडल चिकित्सा अधिकारी, बरेका डॉ. विशाल मिश्रा ने संयुक्त रूप से प्लांट का निरीक्षण कर उसकी कार्य प्रणाली और रखरखाव की गहन समीक्षा की।मॉक ड्रिल के दौरान ऑक्सीजन प्लांट की क्षमता और संचालन को परखा गया, जिसमें सभी प्रणालियां सुचारू रूप से कार्यरत पाई गईं। इसके अलावा, गर्मी के प्रभाव को कम करने और इससे बचाव के उपायों की भी जांच की गई। चिकित्सालय में मौजूद स्वास्थ्य

सुरक्षा संसाधनों, चिकित्सीय सुविधाओं और पैरा-मेडिकल स्टाफ की तत्परता को परखा गया।जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि किसी भी आपातकालीन स्थिति में प्रभावी ढंग से किया जा सके।निरीक्षण दल ने पाया कि हीट वेव जैसी स्थितियों से बचाव के लिए अस्पताल में पर्याप्त संसाधन उपलब्ध हैं। इस अभ्यास में सहायक नर्सिंग अधिकारी श्रीमती गीता कुमारी चौधरी, मुख्य नर्सिंग अधीक्षक श्रीमती अंजना टौड और हॉस्पिटल अटेंडेंट श्री राकेश यादव ने सक्रिय भूमिका निभाई। सभी स्वास्थ्यकर्मी आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए पूरी तरह से प्रशिक्षित और सतर्क हैं।बरेका प्रशासन की इस पहल से चिकित्सा सुविधाओं की गुणवत्ता में सुधार होगा और अस्पताल कर्मियों एवं मरीजों की सुरक्षा को और मजबूत किया जा सकेगा।

अवैध रूप से संचालित ई–रिक्शा वाहनों के विरूद्ध 1 से 30 अप्रैल तक अभियान चलाकर कार्यवाही किये जाने का निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अवैध रूप से संचालित ई-रिक्शा वाहनों के विरूद्ध 01 अप्रैल 2025 से 30

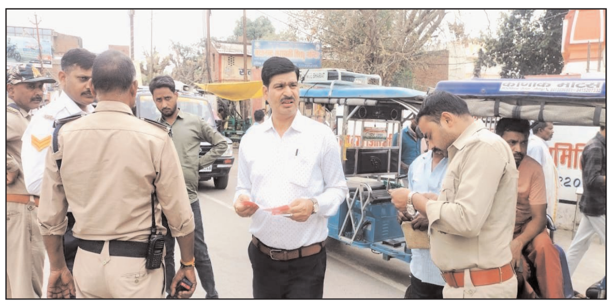

अप्रैल 2025 तक परिवहन विभाग एवं पुलिस विभाग के द्वारा संयुक्त अभियान चलाकर कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिए गए है जिसके अनुपालन में 02 अप्रैल 2025 को जौनपुर जनपद में अवैध, अनधिकृत, बिना वैध प्रपत्र संचालन, अवयस्कों द्वारा संचालन आदि अभियोगों के प्रति परिवहन विभाग एवं यातायात पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से प्रवर्तन कार्यवाही संपादित की गयी। जनपद में जेसिस चौराहा, लाइन बाजार, सद्भावना पूल एवं जगदीशपुर रेलवे क्रासिंग आदि स्थानों पर प्रवर्तन कार्यवाही की गयी। अभियान के अंतर्गत सायं 06 बजे तक 22 वाहनों का चालान किया गया एवं 15 वाहनों को थानों में बन्द किया गया एवं अन्य 125 ई-रिक्शा चालकों चेतावनी दी गयी एवं 01 अपंजीकृत ई-रिक्शा को निरूद्ध किया गया।अवैध एवं अनधिकृत ई-रिक्शा एवं ऑटो रिक्शा के प्रति अभियानात्मक कार्यवाही जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक के निर्देशन पर सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) जौनपुर के नेतृत्व में यातायात निरीक्षक के साथ प्रवर्तन कार्यवाही किया गया।

प्रवर्तन कार्यवाही में प्रमोद कुमार, यात्री/मालकर अधिकारी जौनपुर, सुशील मिश्रा, यातायात निरीक्षक एवं सुनील कुमार तिवारी, सहायक यातायात निरीक्षक एवं परिवहन विभाग तथा यातायात पुलिस के अन्य कार्मिक शामिल थे। ई-रिक्शा/ऑटो रिक्शा चालकों से अपील है कि वे वाहन के समस्त प्रपत्रों को अद्यतन करा लें। वाहन स्वामी किसी भी स्थिति में अवयस्कों को ई-रिक्शा एवं ऑटो रिक्शा चलाने की अनुमति न दें।

राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन ने शिक्षा में हो रही धन उगाही के खिलाफ मुख्यमंत्री को भेजा पत्र

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन के प्रदेश सचिव विनय जयसवाल ने जिलाधिकारी के माध्यम से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को को पत्र भेजा। विनय जायसवाल ने बताया कि अप्रैल का महीना शुरू होने वाला है।स्कूल ने फिर फीस बढ़ा दी है। निजी स्कूलों की मनमानी बेलगाम हो रही है। हर साल स्कूल फीस में 5 से 8 फीसदी बढ़ोत्तरी कर रहे

हैं। अप्रैल में नया सत्र शुरू होने वाला है। स्कूलों ने नया फीस स्लैब जारी कर दिया है। फीस में बढ़ोतरी देख अभिभावकों का विरोध भी शुरू हो गया है। प्रदेश सचिव ने कहा कि देश के बड़े स्कूलों की फीस में सालाना 5 से 10 हजार रुपए तक की बढ़ोतरी हुई है। ऐसे में अभिभावक अब फीस भरने की जुगाड़ में जुट गए हैं। वहीं, दूसरी ओर सीमित आय और पढ़ाई का खर्चा बढ़ने से उनके घर का बजट बिगड़ रहा है। पूरे भारत में लाखों की संख्या में प्राइवेट स्कूल संचालित हैं। वहीं शिक्षा विभाग के अनुसार कुछ स्कूल रजिस्टर्ड हैं। बाकी स्कूल बगैर रजिस्ट्रेशन ही चलाए जा रहे हैं। जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग प्राइवेट स्कूलों की मनमानी करने के बाद भी मूकदर्शक है। इसका फायदा प्राइवेट स्कूल वाले खूब ले रहे हैं। कई निजी विद्यालयों द्वारा री-एडमिशन के नाम पर भारी भरकम शुल्क लिया जा रहा है, जो कि सही नहीं हैं। विनय जायसवाल ने साथ में यह भी बताया कि बेहतर शिक्षा के नाम पर मनमानी फीस वसूली जाती है जिस पर प्रशासन का अंकुश नहीं है ’ निजी विद्यालयों में हो रहे शोषण पर सभी मौन है। जिला प्रशासन द्वारा निजी स्कूलों की मनमानी पर रोक लगाने के लिए टीम गठित की जाए प्रशासन को मनमानी रोकने के लिए पहल करनी चाहिए। अभिभावकों पर बच्चों की किताब अपने मन से किसी भी दुकान से खरीदने की छूट देनी चाहिए। स्कूल द्वारा चयनित की गई दुकान से किताबे ० अन्य सामग्री खरीदवानी बंद करवा देनी चाहिए। इस अवसर पर राज जायसवाल, अंकित मौर्य, अलख निरंजन गौतम, रोहित शर्मा, रितेश मोदनवाल, चंद्रेश जायसवाल, अनिल वर्मा, विष्णु सेठ, विशाल सोनी, संतोष शर्मा, मुकेश यादव, ओम प्रकाश जायसवाल, विनय श्रीवास्तव, अरविंद कुमार, विपिन चौरसिया, प्रेमलाल शर्मा, नीरज गौतम, सनी कुमार, आदर्श कुमार, सुमित सिद्धार्थ, अभिषेक कुमार, शिवम गौतम, प्रदीप कुमार, इत्यादि लोग अधिक संख्या में मौजूद रहे ’

जिलाधिकारी के प्रयास से मुख्यमंत्री किसान एवं सर्वहित बीमा योजना के तहत पात्र लाभार्थी को मिला लाभ

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सुदामा पत्नी स्व० भैयालाल निवासी ग्राम कुरनी तहसील मछलीशहर जनपद जौनपुर की मृत्यु 01 अक्टूबर 2017 को सड़क दुर्घटना में हो गयी थी। तत्पश्चात मृतका के पुत्रगण द्वारा मुख्यमंत्री किसान एवं सर्वहित बीमा योजना के अन्तर्गत नॅशनल इन्श्योरेन्स क० लि० जौनपुर में सहायता धनराशि प्राप्त करने हेतु दावा प्रस्तुत किया गया। नॅशनल इन्श्योरेन्स क० लि० जौनपुर द्वारा सम्यक तथ्यो का अवलोकन किये बिना यह उल्लेख करते हुए कि परिवार रजिस्टर एवं मृत्यु प्रमाणपत्र का भौतिक सत्यापन करने पर सरसरी तौर पर फर्जी घोषित करते हुए दिनांक 18 जून 2024 को उक्त दावा निरस्त कर दिया गया।मा० उच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेश के समादर में प्रकरण का पुनः परीक्षण उपजिलाधिकारी मछलीशहर से कराया गया।उपजिलाधिकारी द्वारा उपलब्ध कराये गये मृत्यु प्रमाणपत्र में मृत्यु दिनांक 01 अक्टूबर 2017 अंकित है जो दावा प्रस्तुत करते समय संलग्न दस्तावेजो यथा कुटुम्ब रजिस्टर एवं पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी दिनांक 01 अक्टूबर 2017 अंकित है। उपजिलाधिकारी मछलीशहर द्वारां उपलब्ध करायी गयी आख्या के आधार पर जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में गठित जिला स्तरीय समिति द्वारा श्रीमती सुदामा के आनलाईन मृत्यु प्रमाणपत्र को सही पाये जाने पर मृतका के पुत्र संदीप कुमार पुत्र स्व० भैयालाल निवासी ग्राम कुरनी तहसील मछलीशहर जनपद जौनपुर को मु० 5,00,000-00 का भुगतान किये जाने हेतु शाखा प्रबन्धक, नेशनल इन्श्योरेन्स क० लि० जौनपुर को निर्देशित किया गया। मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश शासन द्वारा दिये गये निदेर्शानुक्रम में पूर्व लम्बित प्रकरणों को यथाशीघ्र निस्तारित किये जाने के कम में 08 वर्षों की सुधी प्रतीक्षा के बाद जिलाधिकारी जौनपुर द्वारा मृतका सुदामा देवी के पुत्र संदीप कुमार पुत्र स्व० भैयालाल निवासी ग्राम कुरनी तहसील मछलीशहर जनपद जौनपुर का मुख्यमंत्री किसान एवं सर्वहित बीमा योजना के अन्तर्गत प्रस्तुत दावा स्वीकृत करते हुए बीमा कम्पनी को मु० 5,00,000-00 का भुगतान करने हेतु निर्देशित किया गया।जिलाधिकारी द्वारा पूर्व में भी इस प्रकार के कई प्रकरणों को निस्तारित करते हुए लाभ से वंचित पात्र व्यक्तियों को शासन की योजनाओ का लाभ प्रदान कराया गया।

जौनपुर प्रेस क्लब अध्यक्ष शंभू सिंह सोलंकी की माता को दी गई श्रद्धांजलि

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जौनपुर प्रेस क्लब के अध्यक्ष एवं जौनपुर डेली टाइम्स के संपादक शंभू सिंह सोलंकी

की पूज्य माता पतेसरा देवी का दिल की बीमारी के चलते निधन हो गया था। उनके निधन से पत्रकारिता जगत और जिले में शोक की लहर दौड़ गई पड़ी थी। राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद के जिला प्रभारी शशिकांत मौर्य जिला अध्यक्ष तामीर हसन शीबू , ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि यह क्षति शंभू सिंह सोलंकी और उनके परिवार के लिए अपूरणीय है। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिवार को इस कठिन समय में संबल प्रदान करने की कामना की।दिवंगत आत्मा के प्रति राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद रजि. जौनपुर के सभी पदाधिकारी व सदस्य गण ने श्रद्धांजलि अर्पित की।इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष संजय सिंह, जिला महासचिव मनीष श्रीवास्तव, रियाजूल हक, अनवर हुसैन, आई टी सेल प्रभारी मोइ्न अल्ताफ आदि मौजूद रहे।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौत

महोबा (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश में महोबा जिले के चरखारी क्षेत्र में बुधवार को एक अज्ञात ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गयी और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक रिश्ते में मामा भांजा थे। पुलिस उप अधीक्षक रविकान्त गौड़ ने बताया कि घटना गुढ़ा गांव के पास की है। जब 46 वर्षीय चंदन अपने भांजे घनश्याम 17 वर्ष और तीन वर्षीय बच्ची अवनि के साथ बिलखी गाँव से एक तेरहवीं कार्यक्रम में शामिल होकर अपनी बाइक से घर वापस लौट रहे थे, तभी गाँव से पहले सड़क में पीछे से तेज रफ्तार में आ रहे एक ट्रेक्टर ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। इससे मोटर साईकल सवार तीनो लोग उछल कर काफी दूर गिरे पुलिस उप अधीक्षक ने बताया कि मौके से गुजर रहे राहगीरों ने घटना की सूचना पुलिस को दी और घायलों को उठा कर इलाज के लिए चरखारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया जहाँ चिकित्सकों ने चंदन की मौके पर ही मौत हो गयी जबकि घनश्याम ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। बालिका अवनि का उपचार जारी है। पुलिस ने मृतकों के शवों को पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है और मामले की जांच कर रही है।

पुलिस मुठभेड़ में पांच पशु तस्कर बदमाश गिरफ्तार

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। सोनभद्र के कोन और रामपुर बरकोनिया थाने की संयुक्त पुलिस टीम ने बीती रात मुठभेड़ के बाद पांच पशु तस्करों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से 39 पशु भी मुक्त कराए गए हैं। मुठभेड़ के दौरान एक तस्कर को गोली लगी, उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मंगलवार की रात करीब 2:30 बजे पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि कुछ गौ तस्कर चकरिया बॉर्डर के जंगल के रास्ते से पशुओं को बिहार-झारखंड ले जा रहे हैं। इस सूचना पर थाना कोन और थाना रामपुर बरकोनिया पुलिस ने इलाके की घेराबंदी की। पुलिस को देख तस्करों ने भागने की कोशिश की और उनमें से एक ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक तस्कर के पैर में गोली लगी, जिसे इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया।

घायल तस्कर की पहचान मांची थाना क्षेत्र के पनारी निवासी कुर्बान अली के रूप में हुई। उसके चार अन्य साथी मांची के सोहदार निवासी रामाधार, राजदेव, वीरभान और मुन्ना अगरिया को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से 39 पशुओं को मुक्त कराते हुए पुलिस ने 01 तमंचा, कारतूस भी बरामद किया। सीओ ओबरा हर्ष पांडेय ने बताया कि तस्करों के खिलाफ थाना कोन में गोवध निवारण और पशु क्रूरता अधिनियम, आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

गोरखपुर एयरपोर्ट की मांग को लेकर,सांसद रवि किशन ने की रक्षा मंत्री से मुलाकात

गोरखपुर (उत्तरशक्ति)। पूर्वांचल के सबसे महत्वपूर्ण हवाई केंद्र गोरखपुर एयरपोर्ट के संचालन समय को 24 घंटे करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए सांसद रवि किशन शुक्ला ने दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की। वर्तमान में यह एयरपोर्ट केवल रात 9 बजे तक ही संचालित होता है, जिससे यात्रियों को सीमित समय में ही यात्रा करने की सुविधा मिल पाती है। सांसद रवि किशन ने इस सेवा को 24 घंटे करने की मांग रखते हुए कहा कि इससे गोरखपुर और आसपास के क्षेत्रों की कनेक्टिविटी को नया विस्तार मिलेगा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस विषय पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए जल्द ही आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में हवाई सेवाओं का लगातार विस्तार हो रहा है। गोरखपुर, जो पूर्वांचल के लिए एक प्रमुख केंद्र है, वहां 24 घंटे उड़ान सेवा शुरू होने से व्यापार, पर्यटन, शिक्षा और चिकित्सा के क्षेत्र में नए अवसर मिलेंगे। सांसद रवि किशन ने इससे पहले भी गोरखपुर एयरपोर्ट की कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए कई प्रयास किए हैं, जिनका परिणाम यह है कि अब यहां रात 9 बजे तक उड़ानों का संचालन संभव हो पाया है। अगर गोरखपुर एयरपोर्ट 24 घंटे संचालित होता है, तो इससे कई बड़े लाभ होंगे।

बाइक सवार दो युवकों की दर्दनाक मौत

मेरठ (उत्तरशक्ति)। मेरठ जनपद के जानीखुर्द में कांवड़-मार्ग पर मंगलवार देर रात ईद पर सुसराल जा रहे बाइक सवार दो युवकों को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। परिजन बगैर किसी कानूनी कार्रवाई के शव अपने साथ ले गए। बुलंदशहर के बदरखा निवासी नदीम और दनकौर निवासी फारुख का निकाह सिवाल खास में इमरान की बेटियों से हुआ है। मंगलवार की रात फारुख और नदीम बाइक से अपनी सुसराल सिवाल खास ईद पर मिलकर मुबारक बाद देने के लिये चले थे। कांवड़ मार्ग पर गांव मुज्जकीपुर के पास अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में फारुख और नदीम गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना की जानकारी मिलने पर जब तक मौके पर पुलिस पहुंची दोनों घायलों की मौत हो चुकी थी। दुर्घटना की जानकारी दोनों के परिजन और सिवाल खास में सुसराल पक्ष के लोग मौके पर पहुंचे। मृतक दोनों के परिवार ने पुलिस से पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया। इसके बाद परिजन दोनों के शवों को अपने-अपने घर ले गए। फारुख का विवाह तीन माह पूर्व हुआ था जबकि नदीम का विवाह तीन वर्ष पूर्व हुआ था। दुर्घटना की जानकारी मिलने पर मृतकों के ससुर इमरान की हालत खराब हो गई। उपचार के लिये इमरान को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

भीषण आग में फसल और मकान जलकर राख

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। रौनापार थाना क्षेत्र में सोमवार की रात और मंगलवार की सुबह लगी भीषण आग ने इलाके में तबाही मचा दी। इस घटना में आवासीय मंडई, फसल और लाखों रुपये की संपत्ति जलकर राख हो गई। ग्रामीणों ने अपनी मेहनत से आग पर काबू पाने की कोशिश की, लेकिन फायर सर्विस की देरी ने स्थिति को और गंभीर बना दिया। इस घटना में दो लाख रुपये के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है। सोमवार रात करीब 9:30 बजे देवारा खास राजा शिवनारायण के पास शंकर चौरसिया की तीन आवासीय मंडई और तीन बकरियां आग की चपेट में आ गईं। घर में रखा सारा सामान, साइकिल, मोटरसाइकिल, गेहूं, चावल आदि शामिल थे, जलकर नष्ट हो गया। अनुमानित नुकसान करीब 2 लाख रुपये बताया जा रहा है। इस दौरान घर में सो रही रोशनी देवी (35 वर्ष), पत्नी खदेरू आग से झुलस गईं। उन्हें इलाज के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। वहीं मंगलवार सुबह लगभग नौ बजे हसनपुर गांव में बिजली के शॉर्ट सर्किट से गेहूं की फसल में आग लग गई। राम सिंह पुत्र मूरत पटेल का 10 बिस्वा गन्ना और हरिश्चंद्र पटेल पुत्र रामदेव पटेल का 15 बिस्वा गेहूं जलकर राख हो गया। इसके बाद 11:30 बजे सेठाकोली गांव में अज्ञात कारणों से लगी आग में मुंशी चौहान, सुरेश चौहान, राजदेव चौहान, रामाश्रय चौहान और विजय चौहान की डेढ़ बीघा गेहूं की फसल नष्ट हो गई। आग की सूचना पर रौनापार थाने की छोटी फायर सर्विस गाड़ी मौके पर पहुंची। लेकिन तब तक सब कुछ जल चुका था। ग्रामीणों ने अथक प्रयास से आग पर काबू पाया, वरना पूरा गांव खतरे में पड़ सकता था।

सिनियर सिटीजन ग्रुप द्वारा सुंदर काण्ड का आयोजन

बंगलौर(उत्तरशक्ति)। व्हाइट फील्ड के सोलिवो हाउसिंग सोसाइटी के क्लब हाउस में सिनियर सिटीजन ग्रुप द्वारा भव्य सुंदर काण्ड पाठ का आयोजन किया गया। नवरात्रि के पावन अवसर पर मंगलवार को इस कार्य क्रम का आयोजन हुआ। सबसे पहले एअरफोर्स से सेवा निवृत्त फौजी ज्योति राज सिंह के हाथों दीप प्रज्वलित कर सुंदर काण्ड पाठ का प्रारम्भ किया गया। सौ सुषमा अग्निहोत्री व सौ सविता पाण्डेय की आवाज के साथ वहाँ उपस्थित सभी भक्तों द्वारा संगीत के साथ सुंदर काण्ड पाठ शुरू हुआ। लगभग डेढ़ घंटे में पाठ पूरा हुआ। इसके उपरांत हनुमान चालीसा के बाद सोसाइटी के अध्यक्ष हर्षद के हाथों आरती में सभी भक्तों ने भाग लिया। सोलिवो सिनियर ग्रुप के संस्थापक प्रा जितेन्द्र शंकर पाण्डेय ने बताया कि इस सोसाइटी के इतिहास में यह सुंदर काण्ड पाठ का आयोजन पहली बार हुआ है। जिसमें सोसाइटी के सभी भक्तों ने भरपूर सहयोग दिया। जिसके लिए ग्रुप सभी का विशेष आभार मानता है। इस ग्रुप में अभी तक सदस्यों की संख्या बहुत कम है। इस ग्रुप में सर्व श्री राजेन्द्र जैन, विजय कुमार वाजपेयी, अनिल अग्निहोत्री, ज्योति राज सिंह, सत्यनारायण सिंघल, गिरीश पटेल, वी जी पनारा, अशोक पाड्या, गजेंद्र शर्मा, पोपट भाई ही सक्रिय सदस्य हैं। संस्कार, संस्कृति, सदाचार व आध्यात्म के विकास के लिए बने इस ग्रुप में सभी का स्वागत है। आरती के बाद सभी भक्तों को भरपूर प्रसाद वितरित किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सोसाइटी के मैनेजर अनंता, अनिल अग्निहोत्री, सौ सुषमा अग्निहोत्री, सौ सविता पाण्डेय, सौ रिशु जैन व रजत पाण्डेय का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर सौ किरन यादव, सौ परिधि सिंगल, अनुकरण अग्निहोत्री, सौ स्वाति सिंह सहित सोसाइटी के सभी भक्त पुरुष महिलाएं उपस्थित रही। कार्यक्रम का सूत्र संचालन प्रा जितेन्द्र शंकर पाण्डेय ने किया और अनिल अग्निहोत्री ने सभी का आभार व्यक्त किया।

अराजक तत्वों ने खंडित की मंदिर की मूर्तियां

शिवपुर/खैरीघाट(बहराइच)। खैरीघाट थाना में मंगलवार की रात घर के सामने बने मंदिर में स्थापित विभिन्न देवी-देवताओं की मूर्तियों को अराजक तत्वों ने खंडित कर दिया। सुबह मंदिर में खंडित मूर्तियां देख तनाव की स्थिति बन गई। काफी संख्या में ग्रामीण जमा हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके पर जांच शुरू कर जल्द खुलासे का आश्वासन दिया। एहतियातन गांव में पुलिस बल को तैनात किया गया है। रामपुर धोबियाहार निवासी सीताराम गुप्ता के घर के सामने शिव मंदिर स्थित है। मंदिर में विभिन्न देवी-देवताओं की मूर्तियां स्थापित हैं, जिनकी लोग पूजा-अर्चना करते हैं। मंगलवार की रात अराजक तत्वों ने कई मूर्तियों को खंडित कर दिया। सुबह लगभग चार बजे जब सीताराम उठे और मंदिर में साफ-सफाई के लिए पहुंचे तो खंडित मूर्तियां देख वे अवाक रह गए। उन्होंने इसकी सूचना पड़ोसियों व अन्य ग्रामीणों को दी तो मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। इस दौरान गांव में तनाव की स्थिति बन गई। ग्रामीणों की सूचना पर थाना प्रभारी जयदीप कुमार दूबे टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जांच की। तनाव को देखते हुए उन्होंने ग्रामीणों को समझाया और सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया। मंदिर के संस्थापक सीताराम गुप्ता ने बताया कि महाशिवरात्रि पर मंदिर में भगवान शिव, लक्ष्मी और गणेश की मूर्तियों की स्थापना हुई थी। उन्होंने तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। विश्व हिंदू परिषद के ब्लॉक अध्यक्ष हिमांशु वर्मा ने बताया कि जल्द खुलासा न होने पर आंदोलन किया जाएगा। थाना प्रभारी जयदीप दूबे ने बताया कि मौके पर जांच पड़ताल कर केस दर्ज कर लिया गया है।

रामजीलाल सुमन के बयान को लेकर आक्रोशित जौनपुर का क्षत्रिय समाज

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। राज्यसभा में सपा सांसद रामजीलाल सुमन के गैर जिम्मेदाराना बयान देते हुए राणा सांगा के खिलाफ दिए गए बयान से आक्रोशित राजपूत सेवा समिति के सदस्यों ने बुधवार को कलेक्ट्रेट परिसर में बैठक कर कहा कि सांसद का यह बयान राजपूत समाज के साथ पूरे राष्ट्र का अपमान है। समस्त वीर लड़ाकों, योद्धाओं का अपमान है, जो मुगलों से लड़े हैं। समिति के सदस्यों ने यह निर्णय लिया कि राज्यसभा सांसद रामजी लाल सुमन के खिलाफ राजपूत समाज के लोग गुरुवार को एकजुट होकर कलेक्ट्रेट परिसर में पहुंचे। समिति के सदस्य ओम प्रकाश सिंह ने बताया कि रामजीलाल के खिलाफ कड़ी कारवाई के लिए समिति के सदस्यों के द्वारा राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा जायेगा। उन्होंने राजपूत सेवा समिति के सभी सदस्यों के साथ साथ राजपूत समाज के लोगों से आह्वान किया कि गुरुवार को दिन में साढ़े दस बजे तक हर हाल में कलेक्ट्रेट परिसर में बने पत्रकार भवन पर एकत्रित हो जाए। वहां बैठक करने के बाद सभी लोग जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपेगे। समिति के सदस्य बशिष्ठ नारायण सिंह, वीरेंद्र प्रताप सिंह रत्नाकर सिंह, डाक्टर नबाब, सर्वेश सिंह व शरद सिंह ने कहा कि राज्यसभा में सपा सांसद रामजीलाल सुमन ने औरंगजेब के पक्ष में संसद में बयान देकर महावीर, शूरवीर योद्धा राणा सांगा का अपमान कर रहे थे। उन्होंने सदन को कलंकित किया है। उन्हें तुरंत माफी मांगने के साथ इस्तीफा देना चाहिए। बैठक में शशि मोहन सिंह क्षेम, प्रदीप सिंह सफायर, अजीत सिंह, शशि प्रकाश सिंह, अमर बहादुर सिंह, मुन्ना सिंह, विनोद कुमार सिंह, रजनीश कुमार सिंह, राजेंद्र प्रसाद सिंह, देवेंद्र प्रताप सिंह, सिद्धार्थ सिंह, धर्मेंद्र सिंह, रवींद्र नारायण सिंह, डा. राजेश सिंह, रुद्र प्रताप सिंह, उमेश सिंह, संजय सिंह विशेन, रुद्र प्रताप सिंह, डा. सौरभ सिंह, बृजेश कुमार सिंह, आनंद सिंह, देवी सिंह, राघवेंद्र कुमार सिंह, भूपेश कुमार सिंह सहित भारी संख्या में समिति के पदाधिकारी मौजूद थे।

श्री चैतन्या अकेडमी और इन्फिनिटी लर्न ने लॉन्च किया आत्रेय

पटना (उत्तरशक्ति)। श्री चैतन्या अकेडमी, इन्फिनिटी लर्न की एक पहल - भारत का एकमात्र हाइब्रिड लर्निंग प्लेटफॉर्म जो बड़े पैमाने पर परिणाम-आधारित शिक्षा प्रदान करता है - ने आत्रेय को लांच किया, जो की एक अनूठा नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट कार्यक्रम है। यह डिजिटल टूल और रियल-टाइम परफॉरमेंस ट्रैकिंग को जोड़ता है, जिसमें फिजिक्स विषय की कोचिंग पर विशेष ध्यान दिया जाता है - जिसे नीट उम्मीदवारों के लिए एक चुनौतीपूर्ण क्षेत्र माना जाता है। फिज़िक्स की कक्षाओं को दोगुना करके P²CB इस चुनौती का समाधान करता हे, जो छात्रों को नीट परीक्षा में टॉप करने के लिए एक निर्णायक बढ़त प्रदान करती हैं। आत्रेय टेक्नोलॉजी की मदद से छात्रों के प्रदर्शन का विश्लेषण करके, उनकी कमजोरियों को पहचान कर कस्टमाइज्ड लर्निंग के तरीके बताता है। इसकी सबसे बड़ी खासियत है P²CBZ हर दिन चार क्लासेस (प्रत्येक 1 घंटे 15 मिनट की) फिज़िक्स, केमिस्ट्री, बॉटनी और जूलॉजी के लिए, और इसके साथ ही फिज़िक्स प्रैक्टिस के लिए एक अतिरिक्त 1 घंटे का विशेष सेशन। सुषमा बोप्पना, इनफिनिटी लर्न की को-फाउंडर, श्री चैतन्या ग्रुप की सीईओ और डायरेक्टर ने कहा ₹आत्रेय के साथ, हमने व्यक्तिगत सलाह को अत्याधुनिक एआई तकनीक के साथ जोड़कर नीट कोचिंग में बदलाव लेकर आए है। नए कार्यक्रम की विशेषताओं के बारे में बात करते हुए, उज्ज्वल सिंह, फाउंडिंग सीईओ ऑफ इनफिनिटी लर्न बाय श्री चैतन्या ने कहा, सीखना एक सफर है, और 'बच्चा सीखा की नहीं' के हमारे आदर्श वाक्य से प्रेरित होकर, हम अपने शिक्षार्थियों को वे उपकरण प्रदान करते हैं जिनकी उन्हें उस सफर को अधिक स्पष्टता के साथ नेविगेट करने की आवश्यकता होती है।

पंद्रह हजार रुपये वेतन पाने वाले एक व्यक्ति को 33.88 करोड़ रुपये आयकर नोटिस मिला

अलीगढ़ (उत्तरशक्ति)। पंद्रह हजार रुपये वेतन पाने वाले एक व्यक्ति को 33.88 करोड़ रुपये का आयकर नोटिस मिला, 8,500 रुपये वेतन पाने वाले दूसरे व्यक्ति को 3.87 करोड़ रुपये का नोटिस और तीसरे व्यक्ति को 7.79 करोड़ रुपये का नोटिस मिला है। मार्च में तीन नोटिस उन लोगों को भेजे गए हैं जो मुश्किल से अपना गुजारा कर रहे हैं, यह पहचान प्रणाली के दुरुपयोग की ओर इशारा करता है। यदि केवल उनके वेतन को ही ध्यान में लिया जाए तो ये व्यक्ति आयकर का भुगतान करने के भी पात्र नहीं।

इन पीड़ितों और जिन लोगों से उन्होंने मदद मांगी थी, द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, कुछ व्यापारिक इकाइयों ने इन व्यक्तियों की सरकार द्वारा जारी पहचान संख्या जैसे आधार और पैन कार्ड का उपयोग करके लेनदेन किया। करण कुमार (34) को 33.88 करोड़ रुपये का आयकर नोटिस मिला था। कुमार को वकीलों ने बताया कि महावीर एंटरप्राइजेज नामक एक कंपनी करण के नाम पर जाली पैन और आधार कार्ड का उपयोग करके दिल्ली में पेट्रोलियम उत्पादों और स्टील के सामान में बड़े पैमाने पर लेनदेन कर रही है।

भारतीय स्टेट बैंक, खैर शाखा में संविदा कर्मचारी के रूप में 15 हजार रुपये के वेतन पर काम करने वाले करण कुमार ने संवाददाताओं को बताया, मुझे 29 मार्च को शाम करीब चार बजे आयकर नोटिस मिला। मैंने आयकर अधिकारियों से मुलाकात की जिन्होंने मुझे इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कराने की सलाह दी।" उन्होंने इस संबंध में चंडौस थाने में एक शिकायत दी। थाना प्रभारी (एसएचओ), चंदौस हरिभान सिंह ने पुष्टि की कि कुमार की शिकायत पर एक मामला दर्ज किया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

इससे पहले 28 मार्च को गभाना थाने के अंतर्गत संगोर गांव निवासी मोहित कुमार उस समय हैरान रह गए, जब स्थानीय डाकिया ने उन्हें अंग्रेजी में लिखा एक आयकर नोटिस दिया। एक ट्रांसपोर्ट कंपनी में मामूली कर्मचारी मोहित ने अपने नियोक्ता से मदद मांगी, जिसने एक जीएसटी वकील से सलाह ली। वकील ने उन्हें बताया कि एमके ट्रेडर्स नाम की एक फर्म मोहित के आधार कार्ड का इस्तेमाल करके कारोबार कर रही है। आयकर विभाग के डिजिटल रिकॉर्ड के मुताबिक, एमके ट्रेडर्स 2020 से बड़े पैमाने पर कारोबारी लेन-देन कर रहा था। डिजिटल रूप से प्राप्त इस जानकारी के आधार पर विभाग ने मोहित को 3.87 करोड़ रुपये का नोटिस थमा दिया, जिससे असहाय कर्मचारी परेशान हो गया।

मोहित ने कहा, मैं 8,500 रुपये की मासिक आय पर गुजारा करता हूं और अपने बुजुर्ग माता-पिता का भी भरण-पोषण करता हूं। इस नोटिस ने मुझे परेशान कर दिया है। मैं बहुत तनाव में हूं। उन्होंने कहा कि उन्होंने नोटिस जारी करने वाले आयकर अधिकारी से संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। मोहित ने याद किया कि 2020 में उन्होंने दिल्ली में एक नौकरी के लिए आवेदन किया था और अपने सभी पहचान दस्तावेज जमा किए थे।

ऐसे ही एक अन्य मामले में 22 मार्च को एक छोटे जूस विक्रेता रईस अहमद को 7.79 करोड़ रुपये का ऐसा ही आयकर नोटिस मिला, जिससे वह हैरान रह गए। स्थानीय आयकर विभाग के अधिकारियों ने कहा कि नोटिस दिल्ली से भेजे गए थे और ह्यह्ययहां कुछ नहीं किया जा सकता।" अलीगढ़ के एक वरिष्ठ आयकर वकील ने कहा कि डिजिटल धोखाधड़ी के ऐसे मामले डिजिटल पहचान प्रणाली के बड़े पैमाने पर व्यवस्थित दुरुपयोग की ओर इशारा करते हैं।

उद्यमियों ने उठाया सड़क बिजली व पानी का मुद्दा

बस्ती (उत्तरशक्ति)। कलक्ट्रेट सभागार में मंगलवार को जिला उद्योग एवं व्यापार बंधु समिति की बैठक हुई। उद्यमियों ने सड़क, बिजली, पानी, नाली का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। सीडीओ सार्थक अग्रवाल ने अधिकारियों को समस्याओं के निस्तारण के निर्देश दिए। उद्यमियों ने कहा कि शहर की पाइप लाइन की व्यवस्था दुरुस्त होनी चाहिए। बड़ेवन सर्विस रोड पर अधूरा नाला बनाकर छोड़ दिया गया है। बांसी मार्ग वाले मोड़ पर जलभराव के चलते सड़क काफी दिनों से धंस गई है। यहां भारी वाहनों के पलटने का डर रहता है।इसके अलावा शहरी क्षेत्र में सड़कों के डिवाइडर पर रिफ्लेक्टर नहीं लगाए गए हैं। गांधीनगर मुख्य बाजार में पार्किंग की समुचित व्यवस्था नहीं है। उद्यमियों ने कहा कि दक्षिण दरवाजा से मंगल बाजार तक की सड़क काफी जजर्र हो चुकी है। इन समस्याओं से अवगत होने के बाद सीडीओ ने आश्वस्त किया कि जल्द ही इसे दूर करने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने अधिकारियों को कार्य योजना तैयार करने के लिए निर्देशित भी किया। सीडीओ ने प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान, एक जनपद-एक उत्पाद वित्त पोषण सहायता, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना की समीक्षा की।

न्यायालय में चल रहा ज्ञानवापी व श्रीकृष्ण जन्मभिम मामले में हमारा संघर्ष जल्द पूरा होगा

औरंगजेब की विरासत मिटाने की कोशिश में वक्फ

सुरेश गांधी

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। पहले आर्टिकल 370, फिर ट्रिपल तलाक और अब वक्फ बिल। खास यह है कि इस बिल का दबे जुबान से ही सही, हर कोई तारीफ कर रहा है। इस बिल गरीबों के कल्याण का बताया जा रहा है। काशी विश्वनाथ मंदिर में स्थित मां श्रृंगार गौरी के दर्शन-पूजन के लिए पहुंचे सुप्रीम कोर्ट के सीनियर अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने दो टूक कहा, यह एक ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण दिन है। वक्फ संशोधन विधेयक का वे स्वागत करते है, लेकिन वक्फ बाय यूजर की परिभाषा को हटाने और वक्फ की अवधारणा को इस्लामी कानून के साथ जोड़ने वाले संशोधनों जैसे महत्वपूर्ण बदलावों का उल्लेख होना चाहिए। दर्शन-पूजन के बाद सीनियर रिपोर्टर सुरेश गांधी से बातचीत के दौरान अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने कहा कि मौजूदा संशोधन विधेयक धारा 107, 108 और 108 (ए) जैसे कई अन्य कठोर प्रावधानों को भी निरस्त करता है। अर्थात यह संशोधन विधेयक एक कदम आगे है, लेकिन यह पूरा नहीं है। कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जिन पर काम करने की आवश्यकता है, और इसके लिए हमने जेपीसी को अपना प्रतिनिधित्व दिया है, और मुझे लगता है कि भविष्य में इस पर विचार किया जाएगा। जहां तक विपक्ष का सवाल है तो वो सिर्फ अपने पापों को छिपाने के लिए इस बिल का विरोध कर रहा है। यह विधेयक सही दिशा में उठाया गया एक कदम है। हालांकि यह कठोर प्रावधानों को निरस्त करता है, लेकिन यह अभी पूरा नहीं हुआ है। उनकी टीम ने संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के समक्ष अपने सुझाव प्रस्तुत किए हैं, तथा विश्वास व्यक्त किया है कि इन सिफारिशों को विधेयक के अंतिम संस्करण में शामिल किया जाएगा।

एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि हमारी टीम औरंगजेब की विरासत को और उसके नाम को देश के इतिहास से मिटाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमने ज्ञानवापी और कृष्ण जन्मभूमि से इसकी शुरूआत की है। हम उसकी विरासत को खत्म करने के लिए हम हर संभव कानूनी कदम उठाएंगे। उन्होंने बताया कि विधेयक में वक्फ की परिभाषा में बड़े बदलाव किए गए हैं। पहले कांग्रेस सरकार ने इसमें उपयोगकर्ता की परिभाषा को शामिल किया था, जिससे कई समस्याएं पैदा हुई थीं। अब इसे हटा दिया गया है। इसके अलावा, धारा 40 के तहत वक्फ बोर्ड को किसी भी संपत्ति को वक्फ संपत्ति घोषित करने का असीमित अधिकार था, जिसे भी खत्म कर दिया गया है।

जैन ने आगे कहा कि विधेयक में यह प्रावधान जोड़ा गया कि सभी वक्फ संपत्तियों को छह महीने के भीतर अपनी वैधता साबित करनी होगी। साथ ही, ट्रिब्यूनल में इस्लामी कानून के जानकार को शामिल करने की शर्त को भी हटाया गया है। उनके मुताबिक, जो निजी संपत्तियां गलत तरीके से वक्फ की संपत्ति घोषित कर दी गईं, उन्हें वापस लेने का कोई प्रावधान इस विधेयक में नहीं है। उनका कहना है कि सरकारी संपत्तियों की बात अलग है, लेकिन निजी मालिकों की संपत्ति को वापस दिलाने के लिए अभी और काम करने की जरूरत है। अंत में उन्होंने कहा, न्यायालय में चल रहा हमारा संघर्ष जल्द पूरा हो और बाबा विश्वनाथ की मुक्ति का रास्ता साफ हो। उन्होंने कहा, हमने ज्ञानवापी और कृष्ण जन्मभूमि से इसकी शुरूआत की है। औरंगजेब की विरासत को खत्म करने के लिए हम हर संभव कानूनी कदम उठाएंगे। जैन का मानना है कि औरंगजेब का नाम भारत के इतिहास में नहीं रहना चाहिए और इसके लिए वे लगातार कोशिश करते रहेंगे।उन्होंने कहा कि वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 बहुत महत्वपूर्ण परिवर्तन और विधायी संशोधन लेकर आया है। उदाहरण के लिए, वक्फ की उपयोगकर्ता की परिभाषा को पूरी तरह से हटा दिया गया है। वक्फ की अवधारणा और परिभाषा, जो इस्लामी कानून के अनुरूप नहीं थी, जो पहले के वक्फ कानून 1995 में मौजूद थी, उसमें संशोधन किया गया है। सर्वेक्षण अभ्यासों के संबंध में अब तक कई जांच और संतुलन लाए गए हैं। उदाहरण के लिए, कठोर प्रावधान, जिसे हम सभी जानते हैं, धारा 40 है, जो वक्फ बोर्ड को किसी भी संपत्ति को वक्फ संपत्ति घोषित करने के असीमित अधिकार देता है, को भी निरस्त कर दिया गया है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि धारा 85 के तहत एक योग्यता, वक्फ की संरचना कि एक व्यक्ति को इस्लामी विद्वान होना चाहिए, को भी हटा दिया गया है।

अगर नेटफ्लिक्स पर खाकी: द बंगाल चैप्टर नहीं देखा, तो क्या देखा?

पटना। नीरज पांडे द्वारा बनाई गई खाकीः द बंगाल चैप्टरश्कोलकाता का एक नया रंग - भ्रष्टाचार और न्याय की जटिलताओं को बारीकी से पेश करती है। यह सात एपिसोड वाली नेटफ्लिक्स की क्राइम थ्रिलर एक ईमानदार आईपीएस अधिकारी अर्जुन मैत्रा की कहानी है, जो बिना डरे एक भ्रष्ट सिस्टम के खिलाफ लड़ाई लड़ता है। इस सीरीज ने लॉन्च होते ही दुनियाभर में जबरदस्त लोकप्रियता हासिल की और नेटफ्लिक्स के ग्लोबल टॉप 10 (नॉन-इंग्लिश टीवी) लिस्ट में जगह बनाई। 12 देशों में यह शो अपनी दमदार कहानी और बेहतरीन एक्टिंग की वजह से छाया हुआ है। इसमें जीत, प्रोसेनजीत चटर्जी, सास्वता चटर्जी, परमब्रत चटर्जी, ऋत्विक भौमिक, आदिल जफर खान, चित्रांगदा सिंह, पूजा चोपड़ा, आकांक्षा सिंह, मिमोह चक्रवर्ती और श्रद्धा दास जैसे कलाकारों ने शानदार अभिनय किया है।

यह कहानी राजनीति और अपराध के टकराव की है, जहां सत्ता की सच्चाई और आदर्शवाद के बीच एक शतरंज जैसी जंग चलती है। चित्रांगदा सिंह द्वारा निभाई गई विपक्षी पार्टी की तेज-तर्रार और मौकापरस्त नेता निबेदिता बसाक और सागोर (ऋत्विक भौमिक) और रंजीत (आदिल जफर खान) की जोड़ी इस कहानी में नए रंग भरती है, जिससे यह शो एक्शन और क्राइम ड्रामा के शौकीनों के लिए एक मस्ट-वॉच बन जाता है। चित्रांगदा सिंह ने कहा, श्खाकीः द बंगाल चैप्टर में एक पॉलिटिशियन निबेदिता बसाक का किरदार निभाना मेरे लिए बहुत रोमांचक था। कई मायनों में यह मेरे लिए पहली बार था। एक राजनेता का रोल निभाना आसान नहीं होता, लेकिन सीरीज की स्क्रिप्ट बहुत शानदार थी और डायरेक्टर तुषार और देबात्मा को अच्छी तरह पता था कि उन्हें क्या चाहिए। एक दर्शक के तौर पर आप हर किरदार की मंशा को लेकर बार-बार सोचने पर मजबूर हो जाएंगे। दुनियाभर से हमें जो प्यार मिला है, वह बेहद खास है और मैं चाहती हूं कि ज्यादा से ज्यादा लोग इस जबरदस्त क्राइम थ्रिलर को देखें। नेटफ्लिक्स की वजह से यह शो पूरी दुनिया तक पहुंचा है, और अगर आपने इसे अब तक नहीं देखा, तो आप एक शानदार अनुभव से चूक रहे हैं!

ज्ञानवापी : मां श्रृंगार गौरी पूजन के लिए उमड़े आस्थावान

सत्यनारायण मंदिर और गेट 4-बी से जत्थे को मिला प्रवेश, डमरूओं की थाप से गूंजा परिसर

-सुरेश गांधी

वाराणसी। नवरात्र के चौथे बुधवार को बड़ी संख्या में आस्थावानों ने ज्ञानवापी स्थित मां श्रृंगार गौरी का दर्शन-पूजन किया। हुआ। सत्यनारायण मंदिर और विश्वनाथ मंदिर के गेट नंबर 4-बी से सुबह 8.30 बजे से ज्ञानवापी मुक्ति महापरिषद के जत्थे को प्रवेश मिला। दर्शन-पूजन में महिला दर्शनार्थियों को वरीयता दी गई। सबसे आगे इनकी लाइन रही, उसके बाद बाकी सभी के दर्शन हुए। सीइओं विश्वभूषण मिश्र ने बताया कि चैत्र नवरात्रि पर्व अवधि में एक दिन काशी की परंपरा में माँ श्रृंगार गौरी की आराधना को समर्पित है। इसी परंपरा के निर्वहन में काशी विश्वनाथ धाम में विराजमान माँ श्रृंगार गौरी की आराधना काशी वासियों एवं श्रद्धालुओं द्वारा संपन्न हुई। मंदिर न्यास द्वारा इस अवसर पर श्रद्धालुओं हेतु नारियल, फलाहारी प्रसाद की व्यवस्था एवं समारोह पूर्वक आयोजन की व्यवस्था के साथ ही साथ नवरात्रि पर्व पर निरंतर आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में श्री काशी विश्वनाथ धाम न्यास द्वारा श्रृंगार गौरी आराधना उत्सव की शुभ तिथि के दृष्टिगत प्रातः काल सुंदर काण्ड पाठ हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। इस भव्य कार्यक्रम में काशी वासियों एवं धाम पधारे श्रद्धालुओं ने बढ़ चढ़ कर प्रतिभाग किया।

आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में श्री काशी विश्वनाथ धाम न्यास ने आज सायं काल 51 मातृशक्ति स्वरूपा माताओं द्वारा ललिता सहस्रनाम का आयोजन किया। मां ललिता ही शाक्त मत एवं तंत्र साधना की सर्वोच्च शक्ति माता त्रिपुरसुंदरी के नाम से भी जानी जाती हैं। श्री काशी विश्वनाथ धाम के भैरव द्वार के पास मां ललिता तीर्थ भी स्थित है जहां काशी की नौ गौरी में से मां लालिया गौरी स्थित हैं। इस भव्य कार्यक्रम में काशी वासियों एवं धाम पधारे श्रद्धालुओं ने बढ़ चढ़ कर प्रतिभाग किया।मंगलवार को मंदिर सभागार में ज्ञानवापी मुक्ति महापरिषद की ओर से माता श्रृंगार गौरी के पूजन कार्यक्रम, ज्ञानवापी व्यास जी तहखाना और बाबा विश्वनाथ के दर्शन-पूजन को एक बैठक हुई थी। बैठक में तय किया गया कि बीते 38 वर्षों से चली आ रही श्रृंगार गौरी के दर्शन की अबाध परंपरा को कायम रखने और उसके दर्शन के मौलिक स्वरूप पर गहन विचार मंथन किया गया। मंदिर प्रशासन ने विगत वर्षों के स्वरूप को ही बनाए रखने का विचार रखा, जिस पर ज्ञानवापी मुक्ति महापरिषद के सदस्यों ने सहमति जताई। यह भी तय हुआ कि पुलिस प्रशासन भक्तों के परंपरागत व्यवस्था में सहयोग करेगा। बैठक में कार्यपालक अधिकारी विश्वभूषण मिश्र, मंदिर प्रशासन के डिप्टी एसडीएम शंभू शरण, पुलिस उपायुक्त, सहित ज्ञानवापी मुक्ति महापरिषद से डॉ. ज्ञान प्रकाश मिश्र, अधिवक्ता अनघ शुक्ल, पतंजलि पांडेय आदि शामिल रहे।

चैत्र नवरात्रि की चतुर्थी को ज्ञानवापी स्थित माता श्रृंगार गौरी का दर्शन पूजन भव्य रुप से हुआ सम्पन्न

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में पिछले सरकारों में ज्ञानवापी में स्थित माता श्रृंगार गौरी को जैसे कैद कर लिया हो ऐसा ही कृत्य किया गया था। वहाँ दर्शन पूजन सब बंद कर दिया गया था। लेकिन काफी संघर्षों के बाद वर्ष 2005 मे एक दिन के दर्शन पूजन हेतु मंदिर खुला चैत्र नवरात्रि की चतुर्थी को, तब से आज तक इस परम्परा को काशीवाशी निभाते चले आ रहे हैं। वर्ष में एक दिन के लिए खुलने वाले इस मंदिर ज्ञानवापी स्थित माता श्रृंगार गौरी का दर्शन खुलते ही भक्तों का आने का क्रम चालू हो गया। आज चौक पर स्थित चित्रा सिनेमा के पास सभी भक्त जन एकत्रित होकर हाथों में पूजन सामग्री माला-फूल, प्रसाद,नारियल, ध्वज लेकर माता की जयकार करते हुए गुलशन कपूर काशीपुत्र के नेतृत्व में ज्ञानवापी पहुँचे वहां पहुंच कर सर्वप्रथम माता का ज्ञानवापी कूप के जल से स्नान कराया गया फिर गुलाब, अढुल,बेला के फूल से श्रृंगार किया गया तत्पश्चात माता को सिन्दूर अर्पण करके विविध मिष्ठान,का भोग लगाकर आरती कि गयी, इसके बाद सभी भक्त हाथों में नारियल लेकर मंदिर की परिक्रमा किये व नारियल चढाया और माता रानी से विश्व कल्याण, मानव समाज की रक्षा व भव्य माता का मंदिर बने इसके लिए प्रार्थना किया। माता के पूजनोपरांत सभी परंपरा अनुसार ज्ञानवापी कूप के जल से बाबा विश्वनाथ जी का भी जलाभिषेक किया गया और माता अन्नपूर्णा जी, ढुंढिराज श्री गणेश जी का भी दर्शन पूजन करके पुनः ज्ञानवापी प्रांगण में सुंदर कांड स्थल पर पहुंचे और सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ कर के उक्त कार्यक्रम पूर्ण किया गया। जय विश्वनाथ

उक्त आयोजन में जिन्होंने बड़ी ही सुगमता से दर्शन पूजन सम्पन्न कराया उन्हें धन्यवाद दिया गया, और आज सूर्य देव जी की विशेष कृपा सभी भक्तों पर रही की उन्होंने अपना ताप बहुत कम कर दिया था साथ मंदिर प्रशासन द्वारा बहुत ही सुंदर व्यवस्था में सभी भक्तों की देवी मां श्रृंगार गौरी जी को नारियल अर्पण करने की निशुल्क व्यवस्था थी इसके साथ ही ज्ञानवापी प्रांगण में सुंदर कांड का पाठ भी अनवरत चल रहा था और सभी भक्तों के लिए फलहारी हलुआ भी बाटा गया जिससे सभी भक्तों में काफी प्रसन्नता रही और मंदिर प्रशासन को कोटि कोटि आभार प्रकट किया है।

वसोर्वा में अवनीश तीर्थराज सिंह की ओर से ईद मिलन समारोह का आयोजन

मुंबई। (उत्तर शक्ति) मुंबई कांग्रेस महासचिव व उत्तर भारतीय प्रकोष्ठ के कार्याध्यक्ष एड. अवनीश तीर्थराज सिंह ने ईद की मुबारकबाद देते हुए कहा कि ईद के दिन सेवईयां बनाकर बांटने की परंपरा है। यह आपसी प्रेम और भाईचारे को बढ़ावा देती है। सेवई की मिठास लोगों के दिलों को जोड़ती है और रिश्तों को मजबूत बनाती है। वसोर्वा विधानसभा में ओशिवारा स्थित राघवेंद्र मंदिर रोड स्थित सिंह सदन में आयोजित ईद मिलन समारोह में उन्होंने सामाजिक सद्भाव, एकता और लोगों के जीवन में खुशहाली की दुआ करते हुए कहा कि हमारे त्यौहार गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल हैं जो हमें एकता के सूत्र में पिरोते हैं। ईद मिलन समारोह में वसोर्वा विधानसभा के स्थानीय लोगो के साथ मुंबई भर के सामाजिक और राजनैतिक क्षेत्र के गणमान्य लोग शामिल हुए।

पीएम आवास योजना का सर्वे एक महीने बढ़ा, अपने पक्के घर के लिए जल्द करें आवेदन

लखनऊ। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत चल रहे सर्वेक्षण की अवधि एक माह बढ़ा दी गई है। अब 30 अप्रैल तक सर्वे का कार्य चलेगा। ग्राम्य विकास आयुक्त जीएस प्रियदर्शी ने इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं। पीएम आवास योजपा ग्रामीण के लिए सर्वे का काम 27 दिसंबर 2024 से शुरू हुआ था और 31 मार्च तक होना था। अब भारत सरकार ने इसकी अवधि बढ़ा दी है। इस सर्वे में पात्र लाभार्थियों का विवरण आवास प्लस एप पर अंकित किया जा रहा है। इस एप पर पात्र स्वयं भी अपना पंजीकरण कर सकते है। सर्वे के तहत प्रदेश में 41 लाख 50 हजार से ज्यादा परिवारों का विवरण अंकित किया जा चुका है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देश दिए हैं कि सर्वे में सभी पात्र व्यक्ति को शामिल किया जाए और सभी ग्राम पंचायतों में समय से कार्य पूर्ण हो। उन्होंने योजना के लाभार्थियों को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ने पर भी जोर दिया जाए। नये वित्तीय वर्ष में मनरेगा श्रमिकों को 15 रुपये ज्यादा मजदूरी मिलेगी। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने जनवरी माह में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ हुई वर्चुअल बैठक के दौरान मजदूरी बढ़ाने का सुझाव दिया था। अब भारत सरकार ने मजदूरी को 237 रुपये से बढ़ाकर 252 रुपये प्रतिदिन कर दिया है। प्रदेश मे वर्तमान में 1.10 करोड़ सक्रिय जाब कार्ड धारक हैं।

केंद्र सरकार की पीएम आवास योजना पार्ट-टू के लिए कुछ मापदंड भी निर्धारित किए गए हैं। इसके अनुसार आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस), निम्न आय वर्ग (एमआइजी) परिवार, जिनके पास देश में कहीं भी अपना कोई पक्का मकान नहीं है, वे पीएम आवास योजना-शहरी 2.0 के तहत घर खरीदने या निर्माण करने के पात्र होंगे। देश में कहीं भी आशियाना न होने पर योजना का लाभ मिलेगा।

विहंगम योग संत समाज द्वारा स्वर्वेद यात्रा और विश्व शांति हेतु 11 कुंडीय वैदिक महायज्ञ आयोजित

डा. प्रो. दयानंद तिवारी

थाणे (उत्तरशक्ति)। भारतीय नववर्ष विक्रम संवत 2082, सदाफलाब्द 137 के उपलक्ष मे रविवार 30 मार्च 2025 को ठाणे जिल्हा के ऐरोली शहर के यादव नगर में विशाल स्वर्वेद यात्रा ठाणे जिल्हा के संयोजक चेतन श्रीवास्तव के नेतृत्व में निकाली गयी। सद्गुरु सदाफलदेव विहंगम योग संस्थान द्वारा आयोजित विश्वव्यापी स्वर्वेद यात्रा एक दिन, एक साथ, एक समय, देश के 25 राज्यों मे भव्य एवं दिव्य स्वर्वेद यात्रा निकाली गई। विहंगम योग के प्रणेता अमर हिमालय योगी अनंत श्री सद्गुरु सदाफलदेवजी महाराज की अमूल्य कृति स्वर्वेद अध्यात्म जगत का अद्वितीय सदग्रंथ है। यह हिमालय की कंदरा में योग समाधी अवस्था में प्राप्त अनुभव की अभिव्यक्ती है। स्वर्वेद - (स्वः + वेद) का शाब्दिक अर्थ है, आत्मा एवं परमात्मा का यथार्थ ज्ञान क

स्वर्वेद के दोहो के पठनमात्र से हमारे शुभ संस्कार जागृत होने लगते है, अशुभ वृत्तीयो का नाश होने लगता है। जीवन के हर मोड पर स्वतः दिशा-बोध होने लगता है क स्वर्वेद हमारी साधना मे भी विशेष रूप से सहयोगी है। मानवता के सम्यक विकास के लिए स्वर्वेद का प्रचार बहुत जरुरी है। अध्यात्म मानव जीवन की अपरिहार्य आवश्यकता है। इसके बिना हम जीवन में दिशाविहीन होकर अनेक कष्ट पाते है। इस उदेश के साथ संपूर्ण विश्व मे रविवार 30 मार्च 2025 को प्रत्येक वर्ष के भांति एक दिन, एक साथ, एक समय स्वर्वेद यात्रा का आयोजन किया गया।

स्वर्वेद यात्रा का संचालन विहंगम योग संत समाज के हवन यज्ञ आचार्य श्री पंकज शास्त्री ने संयुक्त रूप से किया क स्वर्वेद यात्रा के पश्चात विश्व में शांति स्थापित करने हेतु 11 कुंडीय वैदिक महायज्ञ का आयोजन भी किया गया। यज्ञ आचार्य ने अपनी ओजस्वी वाणी से उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। विहंगम योग संस्थान के उपदेष्टा अनिल सिंह, अनिल कुमार, सचिन कुमार द्वारा जिज्ञासुओं को विहंगम योग संस्थान के क्रियात्मक ध्यान साधना सिखाई गई।

इस समारोह के सफलतापूर्वक आयोजन हेतू बडी भूमिका रामआशिष यादव (नगरसेवक), बबलू यादव, रिंकू यादव, दीनानाथ चौधरी ने निभाई क अन्य प्रमुख सदस्यगण में के. के. मिश्रा, प्रदीप उपाध्याय, जे. के. तिवारी, जवाहरलाल कुमावत, बालकृष्ण पाणीगृही, रामसुभावन शर्मा आदि सहित बड़ी संख्या में अन्य सदस्यगण ने भी इस समारोह मे उपस्थित होकर शोभा बढ़ाई।

काशी के दक्षिणी में 8 वर्षो में हुए 5000 करोड़ से ज्यादा के काम : डॉ नीलकंठ तिवारी

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री एवं शहर दक्षिणी के विधायक डॉ नीलकंठ तिवारी ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी एवं यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में विगत 8 वर्षों में उत्तर प्रदेश में रिकार्ड विकास कार्य कराए गए हैं। जो अपने आप मे बेमिसाल हैं। इसका बड़ा उदाहरण है 2017 से पहले के माफियाराज का खात्मा और सूबे में कानून का राज स्थापित होना। अपराध पर जीरो टोलरेंस की नीति पर काम करते हुए योगी जी ने उत्तर प्रदेश को माफिया मुक्त प्रदेश बना दिया है।

डॉ नीलकंठ तिवारी ने बताया कि दक्षिणी विधानसभा में प्रधानमंत्री की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में इन 8 वर्षों में लगभग 5000 प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत किए गए। दक्षिणी विधानसभा में स्मार्ट सिटी के द्वारा 741 करोड रुपए के कार्य किए गए जिसमें घाटों का काम है, सर्विलांस का काम है और अन्य कार्य भी इसमें हैं। उन्होंने विशेष रूप से जोर देते हुए कहा कि इस प्रकार से देखा जाए तो दक्षिण विधानसभा में अकेले इन आठ वर्षो में माननीय प्रधानमंत्री की प्रेरणा मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश सरकार ने लगभग 5000 करोड़ से ज्यादा के काम कराया गया है। डॉ नीलकंठ तिवारी ने बताया कि इन आठ वर्षो के गौरवशाली उत्तर प्रदेश सरकार के कार्यकाल की जब चर्चा हम काशी के परिपेक्ष में करते हैं तो ध्यान में आता है की काशी, वैश्विक प्रतिष्ठा प्राप्त विश्व की सबसे पुरातन नगरी है। यह सांस्कृतिक राजधानी भी है और वर्तमान में विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता, भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी जी का निर्वाचन क्षेत्र भी है। इन 8 सालों में काशी में अभूतपूर्व विकास हुआ है। दक्षिणी विधानसभा के विकास कार्यो का लेखा-जोखा प्रस्तुत करते हुए उन्होंने कहा कि क्षेत्र में अमूल चूल परिवर्तन किया गया हैं। डॉ नीलकंठ तिवारी ने बताया कि 2000 करोड़ से अधिक धनराशि से इस विधानसभा सभा में आध्यात्मिक कार्यों का विकास कार्य किया गया है। श्री विश्वनाथ धाम कॉरिडोर का निर्माण पूर्ण हो चुका है, और नित्य श्रद्धालुओं का जो आंकड़ा है वह एक लाख से ऊपर का है और महाकुंभ के दौरान तो आज तक के इतिहास में सर्वाधिक संख्या का रिकॉर्ड 45 दिनों में रहा है। इसके अलावचा दक्षिणी में 22 प्राथमिक एवं परिषदीय विद्यालय हैं। जिसमें सभी विद्यालय जर्जर हालत में थे लेकिन इन 8 वर्षों में प्रधानमंत्री की प्रेरणा से उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी के कार्यकाल में मछोदरी विद्यालय भारत का सबसे सुंदर परिषदीय विद्यालय के रूप में विकसित हुआ है। चिकित्सा क्षेत्र में काफी

यूनाइटेड टीचर एसोसिएशन द्वारा किया गया शिक्षकों का सम्मान

जौनपुर। यूनाईटेड टीचर्स एसोसिएशन (यूटा), जौनपुर द्वारा शैक्षिक उन्नयन संगोष्ठी एवं शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन तिलकधारी सिंह इंटर कॉलेज जौनपुर में किया गया। शिक्षक सम्मान समारोह के क्रम में अवकाश प्राप्त शिक्षक साथियों को अंगवस्त्र और अन्य सामग्री देकर फूल मालाओं से अर्पण कर सम्मानित करते हुए विदाई समारोह में इज्जत और सम्मान के साथ इन भविष्य निर्माण गुरु जनों को नवाजा गया। यूटा जौनपुर द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार कर रहे शिक्षक साथियों एवं शिक्षिका बहनों को को भी सम्मानित किया गया।इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक बदलापुर रमेश चन्द्र मिश्र ने अपने संबोधन में कहा शिक्षक कभी सेवानिवृत नहीं होता, मात्र कुछ जिम्मेदारियों से वंचित हो जाता है अन्यथा पूरा जीवन उसे लोगों को शिक्षा देने सिखाने और सही रास्ते पर चलने की जिम्मेदारी बनी रहती है। पूरे समुद्र को स्याही बनाकर,पूरे धरती के सभी पेड़ों को कलम बनाकर, पूरे पृथ्वी को कागज बनाकर यदि गुरु की महिमा लिखी जाए तो भी स्याही कम पड़ जाएगी। गुरु की महिमा समाज में बहुत ही महत्वपूर्ण योगदान देता है। आज जो भी लोग ऊंचे पदों पर हैं, उनमें गुरुजनों का परिश्रम और योगदान होता है। विशिष्ट अतिथि तिलकधारी इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य सत्यप्रकाश सिंह ने अपने यूटा द्वारा आयोजित कार्यक्रम की प्रशंसा की और मंच से ही यूटा की सदस्यता ग्रहण करने की घोषणा की। मुख्य वक्ता राष्ट्रीय अध्यक्ष राजर्षि शिवराज सिंह सिकरवार ने यूटा के मुख्य उद्देश्य भ्रष्टाचार को मिटाने के लिए लोगों को जागरूक करने की अपील की तथा मुख्य अतिथि को विजिलेंस को जांच के तय समय में पूर्ण करने तथा विजिलेंस को एसटीएफ की तरह कार्य करने की छूट प्रदान करवाने की मांग की गई। इस पर मुख्य अतिथि विधायक द्वारा आश्वस्त किया गया कि मैं आप लोगों की मांग मुख्यमंत्री जी के समक्ष रखूंगा एवं विधानसभा में भी रखकर इसको पूरा करवाने का भरपूर प्रयास करूंगा।इस अवसर पर यूटा के राष्ट्रीय महामंत्री रजनीश पांडे, राष्ट्रीय संगठन महामंत्री प्रेमसागर दीक्षित, प्रदेश संयोजक विजय पटेल, प्रांतीय अध्यक्ष रमाकांत शुक्ला, कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र राजपूत, प्रदेश उपाध्यक्ष जितेंद्र सिंह सेंगर, निरंजन चक्रवर्ती एवं प्रदेश कार्यकारिणी के समस्त पदाधिकारी, मंडल पदाधिकारी, जिला कार्यकारिणी के समस्त पदाधिकारी गण, समस्त ब्लॉक अध्यक्ष, मंत्री एवं अन्य पदाधिकारी गण एवम् जनपद के कोने कोने से हजारों की संख्या में शिक्षक भाइ एवं बहन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के आयोजक एवं यूटा के जिलाध्यक्ष डा0 हेमन्त सिंह ने उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं शिक्षकों का धन्यवाद देते हुए कहा का शिक्षकों का शोषण किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

बीएमसी को रेलवे की जमीन पर लगी 103 होर्डिंग्स की जानकारी नहीं :गलगली

मुंबई। मुंबई में मध्य और पश्चिम रेलवे की जमीनों पर कुल 306 होर्डिंग्स लगाए गए हैं। इनमें मध्य रेलवे की जमीन पर 179 और पश्चिम रेलवे की जमीन पर 127 होर्डिंग्स हैं। विशेष रूप से, इनमें से मध्य रेलवे की 179 होर्डिंग्स में से 68 और पश्चिम रेलवे की 127 होर्डिंग्स में से 35 होर्डिंग्स किसने लगाए हैं, इसकी कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है। यह चौंकाने वाली जानकारी आरटीआई कार्यकर्ता अनिल गलगली द्वारा सूचना के अधिकार (फ्ळक) के तहत की गई जांच से सामने आई है। अनिल गलगली ने मुंबई महापालिका के अनुज्ञापन अधीक्षक कार्यालय से शहर में लगे होर्डिंग्स से संबंधित विभिन्न जानकारियां मांगी थीं। इसके जवाब में, अनुज्ञापन अधीक्षक कार्यालय ने मध्य, पश्चिम और हार्बर रेलवे की जमीनों पर लगे होर्डिंग्स की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई। पश्चिम रेलवे की जमीन पर 127 होर्डिंग्स लगे हैं। इसमें ए वार्ड में 3, डी वार्ड में 1, जी साउथ में 1, जी नॉर्थ में 12, के ईस्ट में 2, के वेस्ट में 1, पी साउथ में 10 और आर साउथ में 4 सीटें हैं। 35 होर्डिंग पश्चिम रेलवे की जमीन पर हैं जिसका कोई मालिक नहीं है और 179 होर्डिंग मध्य रेलवे की जमीन पर हैं। 68 होर्डिंग्स मध्य रेलवे की उस जमीन पर हैं, जिस पर किसी का स्वामित्व नहीं है। इनमें ई वॉर्ड में 5, एफ दक्षिण वॉर्ड में 10, जी उत्तर वॉर्ड में 2, एल वार्ड में 9 और टी वॉर्ड में 42 ऐसे कुल 68 होर्डिंग्ज

काशी की धरोहरों को सहेजना सबका दायित्व : डॉ. दयाशंकर मिश्र दयालु

वाराणसी। काशी के विकास में नीतिगत पत्रकारिता का योगदान महत्वपूर्ण है। काशी की हिन्दी पत्रकारिता में यहां के पत्रकारों का खास योगदान है। स्वाधीनता संग्राम में भारतीय पत्रकारिता का मूल स्वर त्याग, बलिदान और मिशन के प्रति समपर्ण का रहा है। सम्पादकाचार्य पं. बाबूराव विष्णु पराड़कर की चिरस्थायी स्मृति और हिन्दी पत्रकारों का चेतना केन्द्र पराड़कर स्मृति भवन जैसी धरोहर को सहेजना हम सबका दायित्व है।

यह बातें प्रदेश के आयुष, खाद्य सुरक्षा और औषधि प्रशासन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. दयाशंकर मिश्र दयालु ने कहीं। वे बुधवार को अपनी विधायक निधि से पराड़कर स्मृति भवन के सौन्दर्यीकरण के शिलान्यास के उपरांत पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे। राज्यमंत्री डॉ. दयालु ने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लेने वाले आला दर्जे के क्रांतिकारी सीधे तौर पर पत्रकारिता से जुड़े थे। यह पत्रकारों का मरकज है। काशी की बौद्धिकता, विद्वता और पत्रकारिता का लम्बा इतिहास रहा है। डा० दयालु ने कहा कि धरोहरों को सहेजना हम सबका धर्म है। इस अवसर पर संघ के पूर्व अध्यक्ष प्रदीप कुमार, योगेश कुमार गुप्त, राजनाथ तिवारी ने भी विचार रखे। धन्यवाद ज्ञापन पूर्व अध्यक्ष कृष्णदेव नारायण राय ने किया। अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष डॉ. अत्रि भारद्वाज ने की। राज्यमंत्री का स्वागत संघ के मंत्री सुनील शुक्ला और कोषाध्यक्ष पंकज त्रिपाठी ने किया।

इस अवसर पर संघ के पूर्व अध्यक्ष सुभाष चन्द्र सिंह, बीबी यादव, संघ के उपाध्यक्ष उमेश गुप्ता, कैलाश यादव, आशीष बागची, संजय मिश्रा, वाराणसी प्रेस क्लब के अध्यक्ष अरुण मिश्र, मंत्री विनय शंकर सिंह, वाराणसी प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष चंदन रूपानी, रोहित चतुवेर्दी, पुरुषोत्तम चतुवेर्दी, राजेश राय, रवीन्द्र प्रकाश त्रिपाठी, ओंकार उपाध्याय, राजेश यादव, आनन्द मौर्या, गौरव राठी, सुरेश गांधी, विमलेश चतुवेर्दी, श्रीघर त्रिपाठी, मुन्ना लाल साहनी, आशुतोष पाण्डेय, राममिलन लाल श्रीवास्तव, विजयशंकर गुप्ता सहित काफी संख्या में पत्रकार मौजूद थे।

अरूणोदय सर्जिकल एण्ड ट्रामा सेन्टर
ARUNODAYA Surgical & Trauma Center

जनरल सर्जरी
स्त्री एवं प्रसूति रोग
आर्थोपेडिक (सर्जरी एवं परामर्श)
कीमोथिरैपी सुविधा उपलब्ध
न्यूरो सर्जरी (परामर्श एवं सर्जरी)
वेन्टिलेटर एवं डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध
प्रशिक्षित डाक्टर स्टाफ तथा सभी मानकों पर खरा उतरने वाला जनपद का एक मात्र हास्पिटल
दूरबीन विधि द्वारा सभी प्रकार की सर्जरी
जनरल मेडिसिन, मधुमेह रोग
गुर्दा एवं मूत्र रोग (सर्जरी एवं परामर्श)
गैस्ट्रोइन्टरोलॉजी (इण्डोस्कोपी एवं कालोनोस्कोपी)
एक्सीडेण्टल एवं ट्रामा इमरजेन्सी
सेवा 24 घण्टे उपलब्ध
डा. अरूण आर. सिंह
कन्सल्टेन्ट लैप्रोस्कोपिक सर्जन
एस.एम.ओ.) एल.टी.एम.एम. जी. एच. (सायन हॉस्पिटल मुम्बई) स.आर.) एम. जी.एम. मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल (नवी मुम्बई) रजि.नं.-82945 (यू.पी.एम.सी.)
डा0 पुनीत सिंह
M.S.M.C.H.
गुर्दा एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ (यूरो सर्जन)
डा0 रवि प्रकाश सिंह
M.S. (Ortho)
हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
डा0 प्रभात सिंह
M.D.(Medicine)
कंसल्टेंट फिजिशियन
डा0 सुमित कुमार सिंह
M.D.(Neuro Psychiatrist)
मानसिक रोग विशेषज्ञ
24/7 Emergency Services
बीमा कार्ड धारकों के लिए विशेष सुविधा उपलब्ध
Medi Assist
STAR
आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क इलाज की सुविधाएं
8090966086,8090015086
कलीचाबाद, जौनपुर

जीवन रक्षा हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेन्टर

डा0 नवीन कुमार सिंह
M.B.B.S., M.S. (Ortho)
हड्डी व जोड़ रोग विशेषज्ञ
पूर्व सिनियर रेजि. एल.बी.एस. हॉस्पिटल, नई दिल्ली
ए.एस.बी. हॉस्पिटल, नई दिल्ली
संजय गाँधी हॉस्पिटल, नई दिल्ली
पूर्व असि0 प्रोफेसर एच.आई.एम.एस. लखनऊ

डा0 शिल्पी सिंह
M.B.B.S., M.S. (Obs & Gyn)
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
पूर्व सिनियर रेजि. एल.बी.एस. हॉस्पिटल, नई दिल्ली
ए.एस.बी. हॉस्पिटल, नई दिल्ली
संजय गाँधी हॉस्पिटल, नई दिल्ली
पूर्व असि0 प्रोफेसर एच.आई.एम.एस. लखनऊ
सुविधाएं- अल्ट्रासाउण्ड, ई.सी.जी., एक्स-रे, पैथोलॉजी,सी0टी0जी0 मशीन, कालपोस्कोपी, फेक्चर, गठिया. कमर. दर्द. ऑथराईटिस. फिजियोथिरैपी. कल्हा प्रत्यारोपण
सिजेरियन डिलीवरी, बच्चेदानी का ऑपरेशन, ट्यूमर का ऑपरेशन, नसबन्दी इत्यादि।
आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना की सुविधा उपलब्ध
हड्डी रोग विभाग
स्त्री एवं प्रसूति विभाग
प्रति परिवार प्रति वर्ष 5 लाख रुपये तक का इलाज पूर्णतया निःशुल्क। इलाज के दौरान दवा, जाँच जैसे कि एक्स-रे इत्यादि पूर्णतया निःशुल्क
24/7 Emergency Services
प्रत्येक गुरुवार निःशुल्क ओ0पी0डी0
संपर्क करें- 6390303050
पुलिस चौकी के सामने, सिपाह, आजमगढ़ रोड, जौनपुर